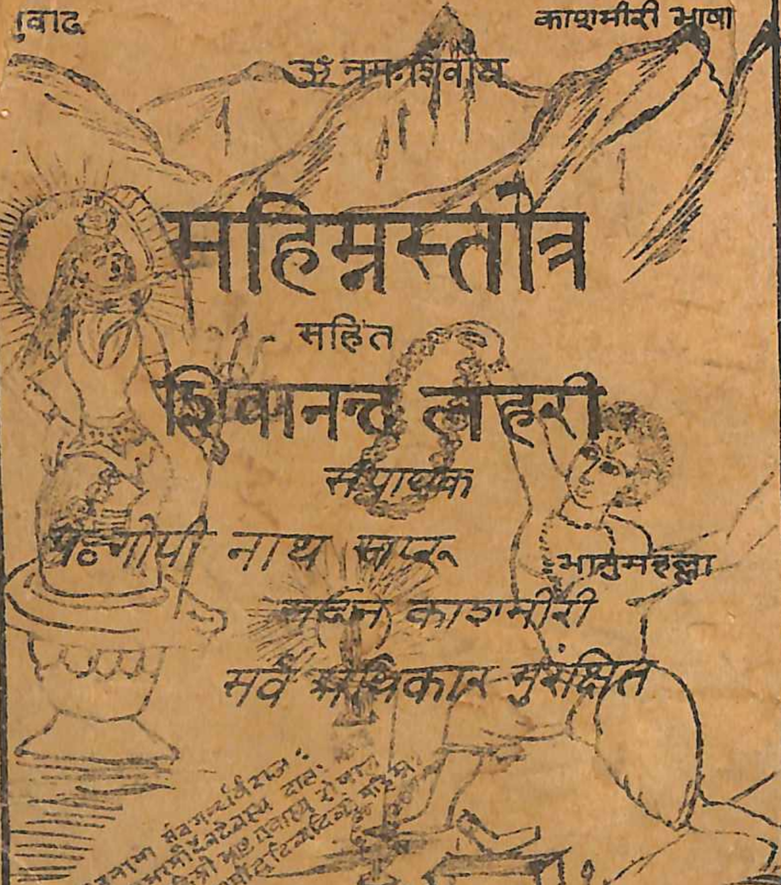
…ुवाद काश्मीरी भाषा



ॐ नमः शिवाय

महिम्नस्तोत्र

सहित

शिवानन्द लहरी

सम्पादक

पं० गोपी नाथ साद्रू भातुमहल्ला

चर्दन काश्मीरी

संवत-वि- २०२२

प्रकाशक_कोहिनूर प्रिन्टिङ्ग प्रेस श्रीनगर

…म.........

प्रथमबार ..५०००

महिम्नस्तोत्र



काश्मीरी भाषा में

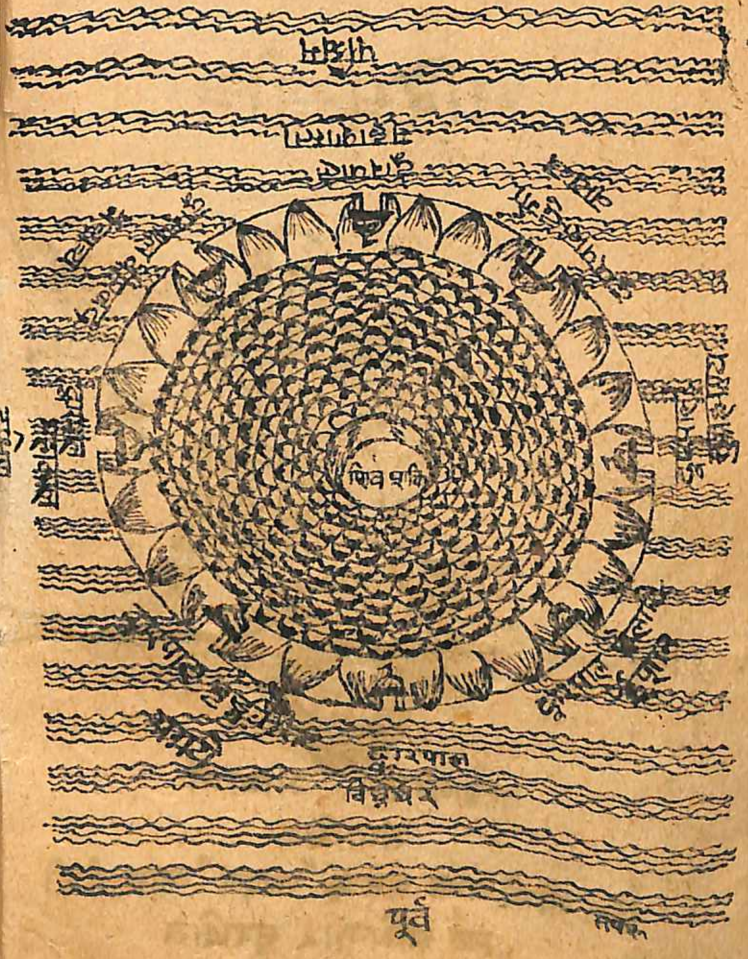
संपाधिक

पंडः गोपी नाथ सपरू "मदन" काश्मीर

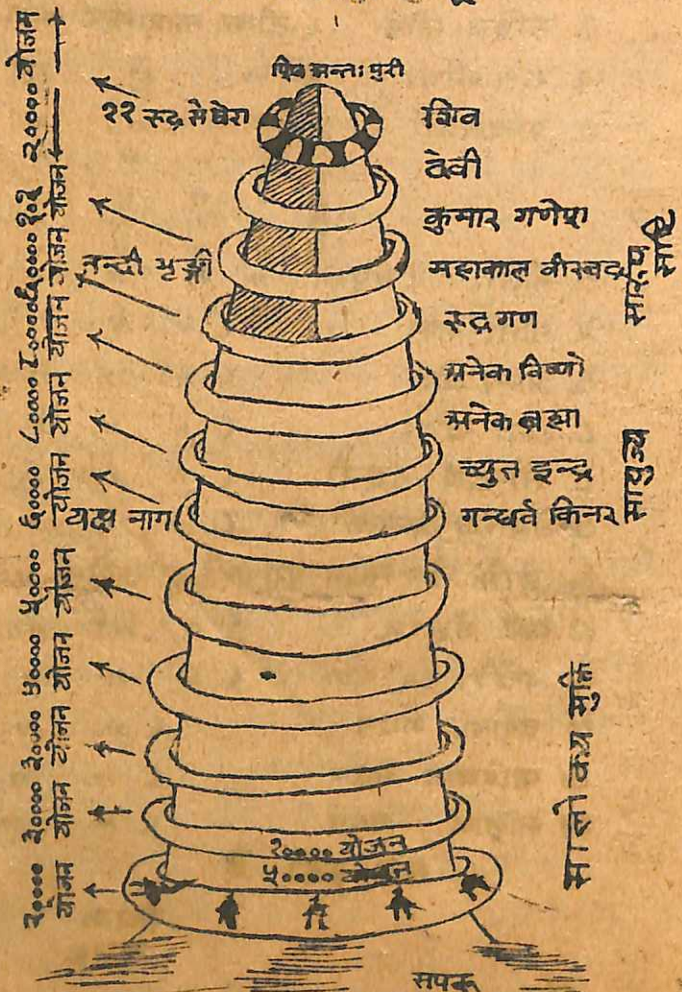
यं........ प्रथमवार १०००

संवत २०२१

महा कैलास भवन



महाकैलास स्वयम्भू


शिव अन्तःपुरी
११ रुद्र से घेरा
शिव
देवी
कुमार गणेश
नन्दी भृङ्गी
महाकाल वीरभद्र
रुद्र गण
अनेक विष्णु
अनेक ब्रह्मा
च्युत इन्द्र
यक्ष नाग
गन्धर्व किनर
२०००० योजन
५०००० योजन
सपरू

मदन कवितायें

१. महिम्नः स्तोत्र (टीका काश्मीरी भाषा)
२. राम गीता (,, ,, ,,)
३. पञ्चस्तवी १ भाग ,, ,, ,,)
२ ,, ,, ,, ,,)
३ ,, ,, ,, ,,)
४ ,, ,, ,, ,,)
५ ,, ,, ,, ,,)
४. गीता (संपूरन ,, ,, ,, ,,)
५. गीता सार (,, ,, ,,)
६. आत्म बोध (,, ,, ,,)
७. तत्व बोध (,, ,, ,,)
८. सौन्दर्य लहरी (,, ,, ,,)
९. वैराग्य शतक (,, ,, ,,)
१० शक्ति योग मदन परा शक्ति कुन्डलिनी ,, ,,)
११ दक्ष संहार (,, ,, ,,)
१२ चन्डी १२ भाग (,, ,, ,,)
१३ तराना मदन (,, ,,)
१४ फरियाद मदन (,, ,,)
१५ आज़ाद मदन (,, ,,)

छप रही हैं

सेवक
सपरू

८

शिव

शिव का जान लेना शिवकृपा पर ही अवलम्बित

जिस में सारा जगत शयन करता है। विकार रहित है। अमङ्गल का ह्रास करता है। सुखमय मङ्गल रूप है। जो सारे जगत को अपने अन्दर लीन करते हैं। वे ही करुणा-सागर भगवान शिव हैं। नित्य, सत्य, जगदाधार, विकाररहित, साक्षी स्वरूप हैं। वे ही शिव हैं। उन्ही का वर्णन श्री पुष्पदन्ताचार्य ने शिव-महिम्नस्तोत्र में किया है।

त्रयी सांख्यं योगः पशुपति मतं वैष्णवमिति ....

महासागर रूपी शिव

ही अखण्ड पर-तत्त्व हैं। इन्ही की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं। सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान व्यक्त-अव्यक्त रूप से सुगुण ईश्वर निर्गुणब्रह्म कहे जाते हैं। यही परमात्मा जगदात्मा शम्भव शङ्कर मयस्कर शिव और रुद्र आदि नामों से सम्बोधित हैं।

अघोरेभ्योऽथ घोरेभ्यो घोर घोरतरेभ्यः
सर्वेभ्यः सर्वशर्वेभ्यो नमस्तेऽस्तु रुद्ररूपेभ्यः

सत्वगुणयुक्त होने से अघोर (शान्त) राजस से घोर और तामस होने से घोरतर स्वरूप धारण करते हैं। शिव प्रणव स्वरूप हैं। प्रणव के सिर पर चन्द्रबिन्दु होने के कारण प्रणव चन्द्रशेखर है। इसी से शिव को चन्द्रशेखर कहते हैं। ... (बाकी सफा २४)

گوراستوتی

ہئ گورہ بُو امرت ورشنس

پرارن چُھسےٗ شوبہ درشنس

دیچھا کرُم ست ناوچی شردھا دِتم ہرہ ناوچی تمہ کِن بنیم شانتی منس
تریہِ تاپہ پرؤت ہاوتم خیُوبس میہ من گاش ہاوتم سنتاپ تہ دوکھ ژلیہم منس
گورہ میانہ پادن تل بیہتے لادن میہ چھیم سادھن بیہتے وندہ پان بُو چیانس آسنس
ہیمہ آس زٕ گالُم موہ بیہم دِلشیِن ہندی ژامُت پیہشرم سُوی شرم ژلیم تہ بیلہ خنس
تریہ گُس مرِہ تہ حالیم کُس دیشیہ آنتاچُھ کُن پرماتمے شوبہ رُوپہ بیلہ وُنہ درشنس
آنندرُوپ پرماتمےٗ نیزہ رُوپہ ژٕی آنند کندےٗ تیز رُوپ بھاسکر ہاولنس
ہمایہ زالس منز بُو چھُس سمنایہ روس موکلاوہ کُس پرکاش ہ روس منز بھاگ یدِنس
ییتر کال میہ دوتم پراران ست گورہ وتہ چیانہ ژھاران نون نیرِہ ییہ وت میہ ولس
شبرہ پوش بوالگے بھاو کی شانتہ رُوپ ورشن ہاوژی دیا پیٹھ می کرُم تنس

ही ग्वर् बु अमर्त वर्षुनस

प्रारान छुसय शुबदर्षनस

दीक्षा कर्‌म सत नावची श्रदा दितम हर् नावची
तमि किन्यबन्यम शान्ती मनस॥

त्रयि तापु पर वथ हावतम क्षूबस म्य मन
सन्ताप तु दुखव ज़ल्य हाम मनस॥

ग्वरु म्यानि पाद तल प्यमय लादन म्य छम साधन ह्यमय
वन्दु पान बु च्यानिस आसनस॥

ह्यनु आस यू गालुम मुँहब्रम व्य श्वन हुन्दुय ज़ामुत म्य शर्म
सुय शर्म ज़ल्यं इख यलि क्षनस॥

मरि क्रुस न मारयं कान्ह व्यपय आत्मा कुकुन परमात्मय
प्रबु रूप यालि इरव दर्शनस॥
आनन्द रूप परमानन्दय तीज़ रूप चूय आनन्दकन्दय
तीज़रूप भासकर हावनस॥
ममतायि ज़ालस मन्ज़ बु कुस समतायि ब्रस मुकलावि कुस
पुरुषार्थ ब्रस मुकलावि कुस॥
यच़काल म्य वोतुम प्रारान सत ग्रुरो वतु च्यान्य छ़ारान
ब्रन नेर यि वथ म्य हावनस॥
प्रेरि पोष बु लागय भावकी शान्त रूप दर्शुन हाव चूय
दया यिछ़ूय कर मदनस॥

شوِستوتی

انادٕ آدٕ چھکھ اوٚم چھکھ یگنہ راز سٕ چھکھ دٕرہ شمبھو
وگینہ ہرتا دے چھکھ چوٚتور بوزہ یوگیشورہ شمبھو
لبو درہ گنگا دھرہ ہرہ زہ چھکھ وِیدان پیرہ شمبھو
دِنایکہ چھکھ شِوٗ چھکھ اردھ ناری شور پیرہ شمبھو

دُلس پالی پاپن موہ تہ اندکارِن ہرہ شمبھو
زنم کام کیت وونگان تنہ میہ چھم پی آچرہ شمبھو
اگادھا پاچیانی سمہ بھُر دِنا کیتہ ترہ شمبھو
دیا کےٚ چیانے سیت گژھہ دیہ لوا ورت پرہ شمبھو

٤

اشوک ورکھ باغس عنز لشویتہ سمازاہ زرہ شمبو
جٹا جیوٹ وٹتھی چھی ڈیکہ چندر شیشورہ شمبو
اتھن ڈابر شولا ورابیٔ آیودہ ہرہ شمبو
تنے صورتھی چھوی ہہ زیر واسک الشیمرہ شمبو

چیت آکاشس میانس دیہ شرن آس کر گرہ شمبو
نبنہ منز راؤ بو گگ دگ گزہ میون موہ ہرہ شمبو
اگنیان زالتھ دون زال پرزلون تھاوم ہرہ شمبو
ترلیم دو کھ سوکھ کوی شوک عزن زیون یوگیشورہ شمبو

درشون یچھ بیمہ سوکھ دوکھ تتی تیزن میون گھرہ شمبو
زنم داریت زیو آس لگ بیہ چھیم تہ مرہ مرہ شمبو
گزہ سیون یتہ گزہ چھیم موکہ تتیلہ یلہ یچھ ورہ شمبو
کرپا کرتی دیا الوگز تک چھم آسرہ شمبو

دزان چھے تن من سے دیتہ تزہ درشون ساگرہ شمبو
چھے اورت پر اران چھنہ تزیہ نش کانتہ آشرہ شمبو
اگنیان کام کرودھ لوبھ موہ زٹ بیہ انکار زرہ شمبو
بننہ سپاو ڈوور تھوتہ مولن بیمہ پرہ شمبو

शिव स्तुति

(१) अनाद आद छुक ॐ छुक व्यगरण राजस छुक वर शम्भो
व्यगरण हरता दय छुक चतुरभुज योगीश्वर शम्भो
लम्भोदर गंगाधर हर चू छुक वीदन पर शम्भो
विनायक छुक शिव छुक अर्धनारीश्वर हर शम्भो॥

वुलुस पापी पापन मुँह तू अन्दकारन हरु शम्भो
ज़न्म गोम कुल्य वुलगान तनु म्य कुम यी आश्रु शम्भो
अगाद माया च्यानी सुमि बठि विना क्यथ तरु शम्भो
दयाये च्याने सूत्य गछ़ दयि वु ओरुत्त पतु शम्भो ॥

अशोक वृक्षबागस मन्ज़ पशुपत समांङ्ग मन्दरु शम्भो
जटा जूट वटियूय की ब्यकि चन्द्र हरकणीश्वर शम्भो
अथन डाबुर शूला वरु अभय आयुद्ध हरु शम्भो
तने सूर मालियूय कुय हटि छ्य वासुक ईश्वरु शम्भो ॥

च्यय आकाशस म्योनिस दबि शरनआस घरु शम्भो
न्यत्र मुक्तुराव योगुक दगद गछ़ि म्योन मुँह हरु शम्भो
अगन्यान ज़ालिथ दून्य ज़ाल फ़ज़ल वन्यथाव दिमवु शम्भो
अल्यं दुख सुखकुय शूक अतुन ज़्युन योगीश्वर शम्भो

वुशुन यस्व व्यायि सुख दुख ततुन तूलुन म्योन घर शम्भो
ज़नम दोरिथ ज़ीव आस लग म्य छ्वं तनु मरु मरु शम्भो
गछ़ुन यन यित गछ़ छ्वं सुकाल त्यलि यलि दिखवरु शम्भो
कृपा कर तुय दया अनुगृहक कुम आसा तु शम्भो ॥

दर्शन छ्वं तन म्य दितु चू दर्शन सागर शम्भो
कुसय ओरुत प्रारान कुनु च्यय निशा क्यन्ह्माश्वरु शम्भो

अगन्यान काम क्रोध लोभ मुँह चड म्य मन्दकारु कजर
वनिथ हंसा वुडवोन यवत मदनस प्यठ पर धाम्यो॥

سوچھند بٹارک ھیان

آدھار زگنک یہ کن چھو منتر

شوا یہ نمہ ادم نمہ شوائے

ژہنچہ ہیتو ہا آدِ دیوو جٹا مولہ گنڈ تھی ژہ شیوو

یہ زہرہ ہم میون شوبوزنالے

ژیہ نیلہ کنٹھو جٹن چھیہ گنگا ژہ خوخہ دایک گوسون

الخ اگو جر ژہ من گو فالے

بہت چھیداوما ژیہ سیت نالئے ولتِ ژیہ سرین ہندوی دولتا

سہسرو شوریہ تبز ژیہ منز چالے

وزل بجن ہنز ژہنت ژھالے پٹھس ژیہ یونے چھو نالگ مالے

چھو گھو رروپ چون سیتھم دیالے

انفن ژیہ ڈابر ژہ بین وایان رٹِت ژہ منڈ چھک ترشول دایان

ژہ ور ایچھے چھک دولن یکیالے

رٹِت ژہ انکوش کھڈگ نہ دور خواگ پاش بیہ پورش دورمت

وچیر نہ ڈنڈ مو دگرج ژیہ مالے

ولنہ ژہ سہہ ژم ژہنت گرہ ژم ژہ اشٹادشہ بوزونان ژیہ خو ہم

نماسہ ہم توام اگور کالے

بھوا یہ دیود شر وایہ دیود   بھیمایہ دیود سوران ژیہ زیود
پھ دِیو روزان ژیہ سیوکا ئے

اسار سودرس میہ نارہ ناوُم   ژیا ازپ گائیتری میہ یاوُم
روُتس بوکرمن تہ واسنا ئے

امر ناوُم تہ پاپ ناوُم   شِیود شِوارن میہ شو ناوُم
ژہ ما شہ توش سیلہ یہم دیا ئے

مُکن بو پائے کُٹا دِچھا ئے   سروُپ چیونوُی ژو پار زلئے
شردھا نہ بھگتی قُدم دیا ئے

सुच्छन्द भटारक ध्यान

ब्यपन्ज़ न्यनो हा आदि देवो जटामुकट गाञ्जिथूय च़ू शिवो
यि ज़ीर् वम म्योन सु बोज़िनाये।
च़्य नील कण्ठो ज्यटन छ्य गंगा च़ू मूक्षदायक गूसोञ्ज नंगा
अलरव अघोरव च़ू मन गूफाये।
वि हिन च्य उमा च़्य सूर्य नामय वलित च़्य सर्पन हुन्द्य दुशाल्य
सहस्र सूर्य तीज़ च़्य मन्ज़ ज्यटाय।
त्रशूल विचन हन्ज़ छुनित मालय इटि च़्य योन्ये छु नागकालय
छु घोर रूप च्योन यितम दयाये॥
भयन च़्य डाबुर च़ू बीन वायान रटिथ मुन्ड छुरव त्रशूल लायान
च़ू वर अभय छुख दिवान यच्छाये॥
रटिथ च़ू अन्कुश खड्ग दोरुय खट्वांग पाश पूर्ष छोकुम
॥

वज्र तु दन्त मुद्गर च़्य मायॆ॥

वजिथ च़्य मूह त्रं च़कनिथ गज़रं मूमष्टाद श्रावुज़ ननान मोऽहं
नमामि हं त्वां अघोरकायॆ॥

भवाय देवो शर्वाय देवो भीमाय देवो सुरान च़्यज़ीवो
त्रिदीव रोज़ान च़्य सीवकायॆ॥

असार सुदस च़्य तार तारुम ज़प अज़प गायत्री च़्य यारुम
रुद्रस बु कर्मण तु वासनायॆ॥

अमर बनावुम तु पाप नावुम शिवो शिवार्पन च़्य शिव बनावु
च़ु अशुतोष यलि यिहं दयायॆ॥

"मदन" बु पानय कटाक्ष च़्यान सुरूप च्योनुय सुपारज़ाने
शार्द तु भक्ति वरुम दयायॆ॥

اوم نمہ شِوایہ

اوما پتے ژہ گرجا پنہ بھاونایے

کِھما کرِوم ژہ ہرہ دِم ورمیہ دیایے

ادھکار رُوپ ژہ ونِکشانز رُوپ ادھکار ادھکار رُوپ گُون ترے چوٗنوی جیو لیتار

اوم ہیز ژی چھکہ ہر دیہ اوم شِوا

نِیر گون نرنجن نیرو گین نیر آدھار نِشچل نہ نِش پاپ نیرو کار نیرہ آکار

نہ کارہ نسپند ہرہ اوم شِوائے

جہا دیو جہا وکت جہا بھوت جہا دھار جہا گھوٗر جہا کال جہا یوگ پار

مہ کارہ رُوپ ہرہ بو ہرہ اوم شِوائے

واہن ورشب چھوی تری وٲشو آدھار وٲشیشور وٲشمبر ویگنہ ہرتار
دِکارہ روست چھک ہرو پرہ اوم شوائے
یگ روپ یگین تری یگین آدھار بیندو زیہ ڈیکہ چھوی واسک ھٹہ ہار
یکارہ روپ بیٹر کال پرہ اوم شیوائے
ازآنکن حمبہ دِنہ گیان بنہ موکھ دیار نتہ بھاوِ تہ بھگتی سوددآن تنزیار
وٲلیتال روپ ہر دلیم پرہ اوم شوائے
بٹر کول چھسے بو برتل چھم پتہ موین نار کارا گریکہ بھجیہ لش اتھ روٹ کرزنہ تار
دِتہ دھام سپنون نہ ژلہ غم پرہ اوم شوائے
اُدرت چھسے بو بیو مُت بجوہ سرہ دِتم تار اگنیان ژٹ تہ دِنہ گیان سُوی دِم ولیتار
مدنس ژہ کریزھ دیا پرہ اوم شوائے

ॐ नमः शिवाय
उमापते म्य ग्यरिजापत भावनाये
क्षमा कारुम म्य हर् दिम करम्य दयाये
उमकार रूप वैश्वानर रूप उमकार
उमकार रूप ब्रह्मा च्य च्योनुकु व्यसतार
ओंबीज़ चूयकुक हरो पर ॐ शिवाय॥
न्यरगुण न्यरन्जन न्यरव्यगर न्यराधार
न्यश्चल तू न्यशपाप न्यरविकार न्यराकार
नकार रूप न्यस्पन्द पर ॐ शिवाये॥
महादेव महावक्रत महाघोर महाकाल
महाभूत महाकाल महायो महापार

मकार रूप हरनाम पर ॐ शिवाय॥

शुद्ध बुध शुद्धात्मा शुद्ध शान्तमाकार
शुंशानन्दासी शुद्ध च्यत शीतमाकार
शम रूप शार्वो पर ॐ शिवाये॥

वाहन वृषब छुय चूम व्यश्वमादार
व्यश्वीश्वर व्यश्वम्बर व्यगरा हरतार
व्यकार रूस्त छुक हरो पर ॐ शिवाय॥

यज्ञ रूप यज्ञ चूय चूय यज्ञमादार
यन्द्रो छुय कि छुय वासुकच्य हारहार
यकार रूप छुक हरो पर ॐ शिवय॥

ज़ामल न म्य दित बनि मूक्ष दरबार
नतु भाव तू भक्ति सृदवांन सुन्ज़यवार
व्यपाल रूप हर यिम पूर ॐ शिवय॥

यच़ कोल छु सयबु वरतल छुम पत्त मुँहन नार.
कारागृहस्य भयि निपा मय रूंकशिता-
दित धाम पतुनतु चलय गम पर ॐ शिवा-

ओरुत छु सय बु योमुत मव सरु दितम तार
अज्ञान ज़टिय तू दितु ज्ञानसूय दिम व्यस्तार
मदनांस चु कर यिछ दया पर ॐ शिवाय॥

(०)

प्रणव वेद का बीज़ मन्त्र है। ऋग, साम, युजर्वेद से अ, उ, म, लेकर प्रणव बना है। इस लिये चन्द्रशेखर शिव महामान्य, परमपवित्र, परमाराध्य है॥

ॐ नमः शिवाय॥

(सपरू)

नोट

श्री शङ्कराचार्यकृत शिवानन्द लहरी भी इसी महिम्नस्तोत्र पुस्तक के साथ भाषा टीका काश्मीरी में विरचित है॥ महिम्नस्तोत्र उसी तरज़ में है कि जि तरह श्लोक है। सिर्फ लीला का तरज़ छकरी है जो हर दो श्लोक के साथ साथ नीचे है॥ कृपा करके कोई त्रुटी हो माफ करें। केवल भक्ति का नमोना है॥

" मदन "

महिम्नः पारं ते परमविदुषो यद्यसदृशी
स्तुतिर्ब्रह्मादीनामपि तदवसन्नास्त्वयि गिरः
अथावाच्यः सर्वः स्वमतिपरिणामावधि गृणन्
ममाप्येष स्तोत्रे हर निरपवादः परिकरः ॥१॥

महिमाय च्यानि कुन् पार् लडि व्यद्यादर् ती छि लबान
ब्रह्मा ईत्य देवता मन्दतू ब्र्र च्यानुय छिनु लबान
मगर यिछ़ बिछ़ पूज़ा कोर् तिव पनन्यव बुज़वसान
तवाय बुति कर् पूज़ा हर ! चू सोयकार कर म्य यिछ़ ज़ान्

अतीतः पन्थानं तव च महिमा वाङ्मनसयो
रतद्व्यावृत्त्या यं चकितमभिधत्ते श्रुतिरपि
स कस्य स्तोतव्यः कतिविधगुणः कस्य विषयः
पदे त्वर्वाचीने पतति न मनः कस्य न वचः ॥२॥

मदई. वाख छुख मन कुख तमि ति पर छुख वीदसर छुख
गुनातीत शून्यातीत लुखुखनू यालि साकार हर छुख
यि च्याय मारिथ तन दिथ सूरिथ ध्याना कनु बु महिमा
युथुय ध्याना दोरिथ हर ! चू भक्तिन मूक्ष प्रद छुख॥

شورہ ہوت سنیاس بوزِ زار یار
یوگہ دھارنایہ یمہ سا خیات کار
دِیوہ وَن نہ برجا چھنہ لبان یار   نوتہِ پوز گرسبے بودِھ اُنو سار
نو آی کرہ بوتہ پوز کرُ شو ییکار
ادرشٹ چھک دارخن ویدہ مُرچھک   تو بُجنہ تیلہ نہ سا کار ییلہ ہرہ چھک
دھیانہ دھارنایہ چھک ہو نُحی کار

اوم

مہا پِچیانہِ چھُنہ پار بڈ دیو دھیا دھرتی چھِنہ لبان
برہما بیہ دیوتا اَیت اندتہ بور چھِونوی چھِنہ لبان
گر بیژھ تیژھ پوزا کرہ تموُ بینوُ بوزوُ سان
تو آی کرہ بوتہِ پوزا ہرہ اژہ سویکار کرمیہ چھُنہ گیان

ادرشٹ واخ چھکَ مُن چھک تمتہ ہرہ چھکَ دیدہ سرہ چھُک
گناتیت شُونیاتیت لوگُنہ بیلہِ سافیات ہرہ چھُک
بہ چیت مارِ تھہ تن دِتھہ سور تھہ دھیانا کرہ بو ہما
بیتقوی دھیانا دارِتھہ ہرہ ژہ بنتین مُوخر پیدُ چھک

सुर मृत सन्यास बोधिजारपार
योगु धारनायि यियि साक्षात्कार

वीदुक्य तु कह्या छिन लबान पार तोति पूज़ करह्य बधि अनुसार
तवाय कर बुति पूज करु सोयकार
मदद कुरव मन वाख वीदसर कुरव लुबु खनु व्यालि ति साकार यलि हर कुरव
ध्यान आसाय कुरव मुक्तीकार

मधोस्फीता वाचः परममभृतं निर्मितवत
स्तव ब्रह्मन्किं वागपि सुरगुरो विस्मयपदम
मम त्वेतां वाणीं गुणकथनपुण्येन भवत:
पुनामीत्यर्थेऽस्मिन्पुरमथन बुद्धिर्व्यवसिता॥३॥

च़ु ब्रह्मन सर्व उतम मधुर माँछ़ बानी च़ु पानय
बृहस्पत भट वनि क्या यलि च़ु वांनी वीज़ पानय
पव्यत्र कुस वानी स्तुति करान वन्य वन्य सि महिमा
बुद्धी व्यार म्य निश्चय कर्‌व सोता च्यॊन्य पानय

तवैश्वर्यं यत्तज्जगदुदयरक्षाप्रलयकृत
त्त्रयीवस्तु व्यस्तं तिसृषु गुणभिन्नासु तनुषु
अभव्यानामस्मिन्वरद रमणीयामरमणीं
विहंतुं व्याक्रोशीं विदधत इहैके जडधियः॥४॥

छि वरदायक कम्‌ज़ मूड खन्डन पैश्वर्य करनस हुवडान
बनान कयत्र पालय उत्पन व्याय रछान पत् नाश करान
सु किछ़ ह्यस पैश्वर्य युसु छु वीदन तत्व म्वाकिया
मत रूज़ तम यलि दारान व्यलि च़ु यज़ा पैश्वर्य किछ़ यवान

اوم برہمن مور بانچھ وانی   واخ بیز چھک برہسپت نازآنی
بودھی کِن گون چیان دِمہ ولیتار
موڑہ کیا زانہِ چون اُشیرہ گیان   کُس تہ کیو کھ سمشئے تس اوپدان
گونہ سے آسِت گونہ لش پار

۳۱. ژه برہمن سروٗه اوتم مدٗر پانچھ وانی ژدپلنٔے
برسپت اده ونہٕ کیا پیلہٕ ژه وآنی بیزپانٔے
پوبتر چھس وآنی بوتہ کران وِیہ ونِ یہ مہما
بودھی کور بیپ رشیپ کرہ بوتو تاچیان پانٔے

۳۲. چھ وردائیہٕ! کینہہ گور کھنڈن الیشوری کرنس پیمدان
زانان کیتھہ پآٹھ اوتین بیہ رچہان یہ ناشس کرن
سوکنزهہ چھیس الیشو رسہ پوسہ چھیہ ویدن تتہو مہمان
ست رج تم بیلہ دھاران تبلہ سوگو نہ الیشوری کنزهه تھون

उतम ब्रह्मन सुन्दर पांछ वानी   बाख्खबीज़ ब्रहस्पत नाज़ानानी
बुद्धी किन्य गुण च्यान्य दिमु व्यस्तार ॥
पूत्रु क्या ज्ञान्य च्योन ईश्वरु ध्यान   कुस तू क्यूथ संशय तस उपदान
गुणमय प्रांसिथ गुण निशा पार ॥

किमीहः किंकायः स खलु किमुपायस्त्रिभुवनं
किमाधारो धाता सृजति किमुपादान इति च
अतर्क्यैश्वर्ये त्वय्यनवसरदुःस्थो हतधियः
कुतर्कोऽयं कांश्चिन्मुखरयति मोहाय जगतः॥

वनान न्यायस्य पाठ्यवनकाति विद्याता कयथ दिह्यबान
छु कामि योत्री कयथ पाठ्य कयथ त्रयलोकियि उत्पनकरान
अगाध ऐश्वर्ये सूत्य तरक डेलि ज़ांनिख ना महिमा
बुद्धी हीन मीमांसक मुँहुच्य कथ् कोर्य कोर्य मुँह करान

अजन्मानो लोकाः किमवयववन्तोऽपि जगताम्
अधिष्ठातारं किं भवविधिरनादृत्य भवति
अनीशो वा कुर्याद्भुवनजनने कः परिकरो
यतो मन्दास्त्वां प्रत्यमरवर संशेरत इमे॥ ६

अज़न्मा छा लोक हरु! छुनु यिमन कान्ह ज़न्म दिनुवोल
न मानिथ संसार विधि बनान क्या मांनिथ न छ्यतीवोल
च्य बुस्त उत्पति मानव कुस सु सामग्री यथ यि महिमा
ति यथ च्यानि सम्भासनस मुड बुद्धी संशय करनवोल

کیُتھ تہٕ کانٛہ شوبہٕ وِنہٕ ہنزان ترُوک کیتھ کنِ اوپداوان
میانِس ڈلان چھُک خوٚ نار
زٕنہٕ روست لوکھ چھا چھنہٕ اوپدان تہٕ روست پیدہ ادٕ کُس کران
موڈن چھو شک امیوک بار

ونان نشٕچ پاٹھ وَن کتہٕ دیدھا تا کیٛو تھدِ وہ تھوان
چھہ کمہٕ یو ہتی کیتھ پاٹھ سیتھ نزِ ہو کیہ اوتھین کران
اگاداَ ایشورسے سیت نرک ڈلہٕ زا نخنہ مہما
بودھی ہیین میما نسک موٗہ چہ کتھ کرِ کرِ موہ کران

اجما لوُک چھا ہرہ چھُنہ ییٖن کانہہ جنم دنہ وول
نہ مانِنت سمارہ ویدھی بنان کیا مانِنت نہ نفیتی وول
ژیہ روسیت اوتھین مانو کو سہ تھو سا گرکی ہیت نہ مہما
تیتھے عیا آلِس آشتش موٗرہ بودھی سمشٕے کرن ول

क्रूष्ठ कव् न्याश्चय वनि मद्यान वनि ञ्यलोक क्यथू पोद उपदावान
मीमांसक डलान कुरव मुँह नार
ज़न्मु रूस्त लोक क्या छिनु उपदान छ़य वुस्त पोदु मदु कुस करान
मूडन कु सैशय मम्यूक बारबार

त्रयी सांख्यं योगः पशुपतिमतं वैष्णवमिति
प्रभिन्ने प्रस्थाने परमिदमदः पथ्यमिति च
रुचीनां वैचित्र्यादृजुकुटिलनानापथजुषां
नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव॥७॥

त्रयीद सांख योग शास्त्र पशिय वैष्णव मत नू कुन कुस
अनेक मत दारुवु निये तिमन सु मत यन्न प्रथिवुन कुस
स्यज़न हृव्यन वतु नूय तिमन कि ज़ानान लय छा महिमा
कुनुय कुस कुन्य वथ नूय कुलन नदियन सागुरस कुस।

महोक्षः खट्वांगं परशुरजिनं भस्म फणिनः
कपालं चेतीयत्तव वरद तंत्रोपकरणम्
सुरास्तां तामृद्धिं दधति तु भवद्भ्रूप्रणिहितां
नहि स्वात्मारामं विषयमृगतृष्णा भ्रमयति॥८॥

वालिय गज़ु चं तनि कुस आसि खट्वान्ग परशु नूह्याक कुस
भज़िश भस्मा नोल्य नाग आसि कपाल वृषभ वाहन नू कुस
अकी स्यानु प्रसादु सूत्य सिद्धु नू सिद्धु लबान कि महिमा
नू पानाय रूप पनुनुय विषयव मृग तृष्णायि पर कुस

ویدک سانکھ یوگ وشنومت ساری وتن چھے چانی ست
کُن چھک سیرہ ہیچ وتہ زی تار
گزہ زم وتھ خٹوانگ پرشا پتھ نال ناگ کپال اتھہ برشس کتھ
چھک زہ پان پانہ شوآکار

۷. ترٛوید سانکھ یُوگ شاستر پرٕت وٕشنوٕ مت ژٕ کٔن چھک
انیک مت دارونٕے تٔمن سٕو مت یژ پریہٕ وٕن چھک
سبزن ہٕہن و نتی تٔم چھیہٕ زانان تتہٕ چھیہ مہا
کٔنتوٕی چھک کٔن وٕنتہٕ ژٕری کوسن ندین آگر ژٕ چھک

۸. ولِت گنٛزہٕ ژٕرم تنہٕ چھک اتھٕ ضٕوانگ پرشاہِتھ چھک
طیٖت لبا نال ناگ اتھٕ کپال ورشب واہن ژٕ چھک
اکِ خینہٕ پیٚر سادہٕ سیت ریدہٕ نہٕ سیدھ لبان چھیہٕ مہا
ژٕ پائے رٕوٗپ پتنوٕی وِیشنٕے عمر گہٕ نر شنایہ پرٕ چھک

वेदक सांख यो वैष्णौ मत सारिन्यू मतन ह्य च्यान्य मत
कुन करव स्यफ़ि वारि त्रूय लार
गङ्ग ज्ञं वालिथ खवङ्गा परशा हाय नाल माग कपाल बृषभवा
कुरव त्रू पांन्थ पानु मानय शिवाकार

ध्रुवं कश्चित्सर्वं सकलमपरस्त्वध्रुवमिदं
परो ध्रौव्याध्रौव्ये जगति गदति व्यस्तविषये
समस्तेऽप्येतस्मिन पुरमथन तैर्विस्मित इव
स्तुवन जिह्रेमि त्वां न खलु ननु धृष्टा मुखरता॥

कुहोन क्यन्ह न्यत्य दर्शीन सुछु वनान जगतस छु अविनाश
वनान क्यन्ह नाशवान छुय क्यह वनान नाशवान तु अविनाश
लज़ ये सूत्य वुज़िथ छुस न ह्यकान करिथ महिमा
वनख त्यल्य मोकर पूज़ प्रभुत्तू! करू ती म्य छुन आश ॥

तवैश्वर्यं यत्नाद्यदुपरि विरिंचो हरिरधः
परिच्छेत्तुं याता वनलमनलस्कंधवपुषः
ततो भक्ति श्रद्धाभरगुरुगृणद्भ्यां गिरिशयत्
स्वयं तस्थे ताभ्यां तवकिमनुवृत्तिर्न फलति॥

यतन क्रार ब्रह्माहन खूत सु आकाश मेनन वु शिव
तिछय पाद्य वुछ व्यष्णो वुछिनि पाताल च्यान चसशिव
थकिथ गय दूनवय चूर त्वुखवन् पय लग्य करनि माहिमा
प्रहन गोख सारवयाथ व्वन वुछुख सीवायि किन्य शिव ॥

کینہہ ونان نیبفتہ زگہ کینہہ انیتہ کینہہ ونان ناشوان اوناشن کینہہ
اتہ کتھ بوزت چھس شرمسار
برہما آکاش خوت تہ وچھنے ولیشنو پاتال ووتھ ہینے
چور گوژ خ ثقک کیت ونیہ نہ پار

۹. وُچھان کماہہ چوٗن درشون سو چھو ونان زگتس چھو اوِناش
ونان کینہہ ناشوان چھوی کینہہ ونان ناشہ وان نہ اوِناش
لزایے سہیت بوٗزِت چھس نہ ہیکان ونِت مہا
ونہِ تیلہ موکر بوٗز پرموختہ ! کرہ تِی میہ چھیم آشہ

۱۰. ییتن کور برہما ہن خوت سو آکاش مینن بو شِنو
تِنہِ پاتہٗ ووکتہ ولینو وُچھنہ پاتال چیان پیرن شنو
تھکِت گیئ دو نوئے چوٗر لوگنہ پے لگ کرنہ مہا
برن گورہ ساخیات نون وُچھک بِبوایہ کن شِنو

क्युन्ह वनान ज़म्य न्यत्य क्युन्ह म्रन्यत्य
क्युन्ह वनान नशवान अविनाश क्युन्ह
यिम् कथ् बूज़िथ छुस शर्मसार
ब्रह्मा आकाश खुत बुथ्य ने
विष्णो पाल ब्रूय मैनने
चूर गोरव थक्य कत्य लूबहय न पार

अयत्नादासाद्य त्रिभुवनमवैरव्यतिकरं
दशास्योयद्बाहूनभृतरणकण्डूपरवशान्
शिरःपद्मश्रेणीरचितचरणाम्भोरुहबलेः
स्थिरायास्त्वद्भक्तेस्त्रिपुरहर विस्फूर्जितमिदम्॥

यतन ब्रुस्त प्रोव रावनन त्रपुरहर! त्रिभुवन रव्यन मन्ज़ी
भुज़ा प्राव्यन कल कुल्य तिम च्य तंम्य लांग्य पोवच्य
वमय कल लाग्य लागी करनि लुग शिव च्यांन मंज़ी महिमा
अचल भक्ती च्यांने मनु प्रभावलुमनय रव्यन मन्ज़ी

अमुष्यत्वत्सेवासमधिगतसारं भुज वनं
बलात्कैलासेऽपि त्वदधिगत सारं भुजवनं
अलभ्या पातालेऽप्यलसचलिताङ्गुष्ठशिरसि
प्रतिष्ठा त्वय्यासीद् ध्रुवमुपचितो मुह्यति खलः॥

करिय सीवा रावणन भुज़ बल लबुन कुत अतुल बल
तमे बल कैलासस तुलनि लुग हे दीन वत्सल
खूरकि न्योठु नमु च्यल सूत्य तल म गवलुग करनि महिमा
यि गव ती ज़ीन गुर्थ सुन्द यिम रवरस थावन छु न्यप्राफल॥

بھگت کن راون نیرہ کلہ کیت براون لاگنے پوتن سیت
تمی سیت لوب تم بوڈ دربار
بل پرو وراون پوگ زیر تلنے نیوکھ ژلہ سیت تل لگ دلنے
گر سنہ زین چھافرن شوبدار

۱۱ . یتھن روست یُوو راوُن نزبورہ رہ انز ہیون خینہ منزی
بوزا براوِن کلہ کیت تمہ ژرنہ تمہ لاگ پوشچہ گرنزی
تمہ ئے کلہ لاگ لاگی کرنہ لوگ شوہ چیانَ ہما
اجل ہکتی چیا نے مَن پربھاؤ بوبتے خینہ منزی

۱۲ کرتھ سیوا راوُن بوزہ بل لوتن کوُت آتل بل
تمی بل کیلاسس تلنہ لوگ ہے دینہ و تسل
خورکہ نیو کھُرنہ ژلیہ بیت تل شوگوُگ کرنہ ہما
یہ گوٗ تی رین گوُرشند ہتھ فرس تھاوُن چھو نشل

भक्ति किन्य रावनन नरिकाल् कूल्य प्रावित लोग्यनय पोषन मूल्य
तमी सूत्यलूब तमि बुड दरबार
बल प्रोव रावनन लूग च़्य तुलने चोट च्याल् सूत्यलूग तल उलने
गुरि सून्द ज़ीन कारवरस प्रोविदार

यद्दिं सुत्राम्णो वरद परमोच्चैरपि सती-
मधश्चक्रे बाणः परिजनविधेयत्रिभुवनः
न तच्चित्रं तस्मिन् वरिवसितरि त्वच्चरणयोर्न
कस्याप्युन्नत्यै भवति शिरसस्त्वय्यवनतिः॥

दयावाना सुब्रूस्य कॊरुथ यस्य वरदायक शिवो
पॆन्द्र सुन्दि स्वतू थुद पद मत्तय किन्य व्यूत्यस ह्यु शिवो
राटिथ ईकागर च्यॊन चरन तमिची व्यस यि महिमा
तमिस छुनू कथन्ह आश्चर युस नमी चरनन तलू शिवो

अकाण्डब्रह्माण्डक्षयचकितदेवासुरकृपा-
विधेयस्यासीद्यस्त्रिनयनविषं संहृतवतः।
स कल्माषः कण्ठे तव न कुरुते न श्रियमहो-
विकारोऽपि श्लाघ्यो भुवनभयभङ्गव्यसनिनः॥

पमय त्रुस ब्रह्माण्डस वुछुरव ह्योतनय नाशस गछ़ोन
स्यठा खूच्य मूत्य दीवता कुथि च्यय असरन अनुग्रह करोन
ज़हर च्यथ च्येलोचन हटि च्य दाग तथ कुन महिमा
चमत्कार लूक मथि कुय छु यि विकार असत्तोत्यन परोन

دیاجیان بھاناسورمی   بندہ بدوی لوبن آشیر شوی
ہمیہ بیط پادچیان شوی مختار
سمیہ روس برہانڈ لگ گڑھنڈ   ڈلوو دوپ اسرن بیڑ وبے
زہر چوت پانس چھو چمتکار

۱۳۔ دیا بھانا سورسی کرِتھ ژِے وردائیک شوو
یندرہ سندِرہ خونہ کھوو بدبکٹ کِن دِیُو تنھس ہرہ شوو
رٹِت ایکاگرہ چیان چرن ہیُجی چھۓ یہ ہما
تمِس چھُنہ کینہہ آ شمر بسُ نِمی چرن تل شوو

۱۴۔ سمۓ روس برہمانڈس وُچھک ہیُوتنۓ ناشس گژھون
سیٹھا خُوژمت دِیوتا چھوِیہ ژِیہ اسرن انوگرہ کرون
زہر چینت ترلوچن! ھیٹہٕ ژِیہ داغ تتھ کیژ ہما
چمتکار لُوکہ بھیہ کوُتی چھُو وِکارا ستوتیٔن پیرون

दया च्यांन भाना सूरसूय
ऐन्द्र पदवी ल्वसुन मभ्रसुय
यमि रटि पाद च्यान सुय सूरवतार
समय रस्त ब्रह्मान्ड ल्वग गळनि रव्यय
दीवव ल्वन असरन दिपि विजय
ज़हर च्योय पानस कु चमत्कार

असिद्धार्था नैव क्वचिदपि सदेवासुरनरे
निवर्तन्ते नित्यं जगति जयिनो यस्य विशिखा
स पश्यन्नीश त्वामितरसुरसाधारणमभूत
स्मरः स्मर्तव्यात्मा नहि वशिषु पथ्यः परिभवः

मुकामदीव यस्य सून्द कान ज़गत दीव पसरन छिज़ेनान
तमी कामन ज़ोतुरव त्रु भारव सामानि दीव भगवान
भस्म गव तस तेतियूय यि अनज़ानिस च्यानस महिमा
ज़्यातिन्द्रय महादीवो! अनादरुक च्योन किन्य यि फलजान

मही पादाघाताद्व्रजति सहसा संशयपदम
पदं विष्णोर्भ्राम्यद्भुजपरिघरुग्णग्रहगणम
मुहुर्द्यौर्दौस्थ्यं यात्यनिभृतजटाताडिततटा
जगद्रक्षायै त्वं नटसि ननु वामैव विभुता॥

ज़गथ रक्षाये किन्य यलि चु भगवान तान्डव करान
भुज़ा डी ग्रिय ग्रह स्कूय्य पद छि पृथ्वीयि संशय करान
ज़टाये किन्य चन्चल स्वर्ग गव क्य च्यानि महिमा
वज्यर च्योन छुल कोता छुन यि फिकिरे ज़ाह असि तरान॥

کامن زٕ دزونہٕ لٕسامانہ دِیو سُورہٕ ڈیر کور تھس گوٚنہ سیز لو
کرہ ییٚن انادر گژھہ سُوی خار
تانڈو کورٕتھ زگتٕ رٲژ کوت بۍ گرہ گن یسورگ۔ پرتھوِیہ زون خے
چیانہ تجرک چھنہ بودھی دلستار

۱۵. شوکامدلو یمندکان زگنت دِلوا سرن چھ زینان
تمی کامن زوخ زہ اَخ دِلو سامانہ بھگوان
بَستم گوٗ تس ننتھئی یہِ اَن زان چانے چھیہ میہما
زتیندرے جہادیود! اتادرس چانِ کنِ بہ پھیل جان

۱۶. زگت رِکھیاے کنِ بیلہِ زہ بھگوان تانڈو کران
بوزا ڈلنیت گرہ ثُوتر پدچھ پرتھویہ سِتھئےٗ کران
جٹائیے کِن جنچل سورگ گوٗ چھےٗ چانِ میہما
بَرچون ہول کوتاہ چھنہ یہِ فکرےٗ زاہ اسِہ الوان

कामन त्रु ज़ोनुरव सामानि दीव
सूर् डेर क्रूर यस गवना स्यज़ीव
करि युमभ्रनादर् गढ़ि सुयस्तार

तान्डव क्रुरुय ज़गि ज़ाव कूत वय
ग्रह गण सूर्ग पृथ्वियि ज़ोन स्वय
च्यानि कजरुक कुन बुद्धि व्यस्तार

वियद्व्यापी तारागणगुणितफेनोद्गमरुचिः
प्रवाहो वारां यः पृषतलघुदृष्टः शिरसि ते
जगद्द्वीपाकारं जलधिवलयं तेन कृतमि-
त्यनेनैवोन्नेयं धृत महिम दिव्यं तव वपुः॥ २७॥

क्य तारागन रूपी जल प्रवाह ससव फयूर च्य ज्यटि मन्ज़
समी फयरि क्य सागर ज़गच्य ससव दीप ह्यू छु सय मन्ज़
सवाय धृत महिम कुरव धृत महिम धारी च्य महिमा
युहय कारण ज़ानुन ऋषि शरीरुक गछि करुन मन्ज़

रथः क्षोणी यन्ता शतधृतिरगेन्द्रो धनुरथो
रथाङ्गे चन्द्रार्कौ रथचरणि: पाणि: शर इति
दिधक्षोस्ते कोयं त्रिपुरतृणमाडम्बरविधि-
र्विधेयैः क्रीडन्त्यो न खलु परतन्त्राः प्रभुधियः॥

त्र्यपुर रूप घास ज़ालुन्य च्य यिछ सांग्री क्या छुयि करोन
पृथ्वी रथ ब्रह्मा सार्थी धनुश हीमाल कान विष्णु च्योन
सूर्य चन्द्रम हगरूय दिच्चूय तिमनूय यिछ च्य महिमा
छि सामर्थवान पज़िपांछ गिन्दान गिन्दनस वश करुवोन॥

ست سوۄر جیٖہ نِہ نِلہ ہنٛائی شوی نرل پرتھوی ہنداوپائی
شوی تۄہہ تم ئیں چھ گنگ دار
رتھ پرتھوی برہما رتھ بان شورِیہ چندرمہ ھکر ولنٛنوکان
ترِپور ادہ ہور تشن یہ چھو چون کار

۱۷. چھ نارٕگن رُوپی جل پیرواد اَخ فیُور ژیہ جیتۂ منز
تھی قبیرہِ کوٗی ساگر جگت اَخ دیپ ہیو چھو اَتھ منز
اوآی دصرت مہم چھکھ دصریت مہم دھاری ژیہ مہا
یوسے کارن زانون امہ شریرک گرٕزھ کرُن سنز

۱۸. ترپور رُوپ گھاسہ زالونہِ ژیہ بیترھ ساگریہ کیاہ چھویہ کرون
پرتھوی رتھ۔ برہما سارتھی دھنش ہمال کان وِشن چھون
سوٗریہ چندرمہ ھگری ذرتھ تِمنی بیترھ ژیہ مہا
چھُ ساعرتھ وان بیزِ پاٹھ گِندان گِندنس وشِ کرون

सत सुंदर ज्यटि ह्यन्दि ज़ल बन्याय
सूय ज़ल पृथ्वी ह्यन्द कुऊपाय
सूय रूप हावतम यथ क्य गंगदार।

रथ पृथ्वी ब्रह्मा रथवान
सूर्य चन्द्र हगर विष्णो कान
त्रयपुरमद मोरथन यि कु चोन
कार।

हरिस्ते साहस्रं कमलबलिमाधाय पदयो
र्यदेकोने तस्मिन्निजमुदहरन्नेत्रकमलम्
गतो भक्त्युद्रेकः परिणतिमसौ चक्रवपुषा
त्रयाणां रक्षायै त्रिपुरहर जागर्ति जगताम् ॥

सदाशिवो विष्णो सहस्र पदम ह्यथ मोय च्य पूज़े
स्वटिथ ओक्य स अरव पोश न्यथ अरव लोग्न्य तमि
प्रसन्न गोरव तस छ्योत यस प्रथि सुदर्शन चक्र निक्रे
महिमा
ग्रमी किन्थ सृय जगतस कुथि करान रछिपाल
बिछि विज़े॥

ऋतौ सुप्ते जाग्रत्त्वमसि फलयोगे क्रतुमतां
क्व कर्म प्रध्वस्तं फलति पुरुषाराधनमृते
मतस्त्वां संप्रेक्ष्य क्रतुषु फलदानप्रतिभुवं
श्रुतौ श्रद्धां बद्ध्वा दृढपरिकरः कर्मसु जनः॥

पूदा वीद्च्य योविथ यज्ञ फलदाता गछ़ारि च्य
यविथ कर्म फल आशा यज्ञ दूस्त छ्युन् जाह
नेन्द्रच्य
यज्ञ करुवनीस पूर्णास च्य कर्म पूर्णास दूसन महिमा
अबाय कारणु भगवन करून्य शिवसेवा अति
पज़े॥

پوش لاگ ونیں ژے بحاوکی   کم گوس اَخ نیتر لوگنئے تِی
پھل پرووُن ناوُ پیوس چکرہ دار
دیرہ کرن تہ یگئین پھل ژی   یگئیس اندتہ یگئیس منز ژی
اوئے شوہ پُوزا چھیہ ایہم یار

۱۹۲

۱۹. سدا شِوو وِشنو شہستره پدم ہتھ اوی ژ یہ پوُزے
خشٹت تھوو تھس اَخ پوش نیتراخ لوگنے تمہ وِزے
پیرس گورخ تس دِیُو تھس اتھِ سود رشن چکره ہما
اِی کارِن زگس چھُو سوکران رکھپال وِزِ وِزے

۲۰. شرد ھا وِبِرج تھاوِتھ یگن پھل داتا گنزرِه ژے
تھوِتھ کرمہ پھل آشا یگن روست چھنہ زاہ نیندر
یگن کرہ وِنین پورشن ژ یہ کرمہ پورشس روست نہ
اوئے کارن بھگوان کرِن شِوه سیوا اسِہ پزے

पोष लांग्य न्यथनन च़्य बावकी
कम गोस अरब न्यत्र लोग्नय ती
फल प्रोवुन नाव प्योस चक्रदार॥
वीदु कर्मन तू यज्ञयन फल च़ूय
यज्ञयन अन्द तू यज्ञयस मन्ज़ च़ूय
अवय शिव पूज़ा छ्य अपरम पार॥

क्रियादक्षो दक्षः क्रतुपतिरधीशस्तनुभृता
मृषीणामार्त्विज्यं शरणद सदस्याः सुरगणाः
क्रतुभ्रंशस्त्वत्तः क्रतुफलविधानव्यसनिनो
ध्रुवं कर्तुः श्रद्धाविधुरमभिचाराय हि मखाः॥

प्रजापति दक्ष यज्ञ शील सु दिह दोर्यन ज़ूद तॖ यजमान
स्यदा ॲष ब्यायि यॆतदूल बिहित यज्ञयस म्रोस दीवान
यज्ञन फलदाता ज़ूय च्य तॖस नाश गोस ब्यसन
तु न्यश्चय हे शरनद! तुलु शृदायि ब्यनि तॖस फल (भाहिया) बनन

प्रजानाथं नाथ प्रसभमभिकं स्वां दुहितरं
गतं रोहिद्भूतां रिरमयिषुमृष्यस्य वपुषा।
धनुष्पाणेर्यातं दिवमपि सपत्राकृतममुं
त्रसन्तं तेऽद्यापि त्यजति न मृगव्याधरभसः॥

ज़गथनाथो ब्रह्मा कुन्यि शिकार रूपस च्य खोज़ान
मृगी रूप कोरे पथ मृग बनिथ प्रोस सन्ना किन्य
सु कांमी व्याकुल गव भय हुतुय व्यान्य लुकान (महिमा)
कु कर्मी युस आसे तमिस फल दिनु निश चून फ़रान॥

دخین یگن کو شیوہ روستوی　　برہما ولیشنو دیوو سوستوی
پھل داتا ژی گوس سیہار
برہما کامہ بہت کو ریت گوٗ　　کامہ کین لس پتہ رُوس بنیوٗ
کو کرمی دراد ونہ جلیس تھار

۲۱. پرجاپت دخہ بگن شیل سُودِھ دارٕنِ زُوٹھ تہ بہوٕن
سیٹھا ریش بیپہ ریتہ دوج بہرت یگٕش آسِ دیوہ گن
بگن پھل داتا ژی ژیہ روست ناش گوس چھینہ جہا
چھوٚ لشیٚ ہے شرندھ! چھنہ شرد ھا یہ چیانہ روست پھل ہٕن

۲۲. جگت ناتھو! برہما وُونہ شِکار رُوپس ژیہ خوژان
مرگی رُوپ کورے بیت مرگ بنِتھ ادس سنگہ گِن بڑھان
سُوکامی دِیا گل گوٚ بھیۓ ہونُوی چیان مہا
کوکری نُیس آسے تمِس پھل دِنہ لِش ژہ نہ پِزان

दक्षयज्ञ यज्ञन कुर शिव स्तुय
ब्रह्मा व्यष्णो दीव स्तुय
फल दाता चूय गोल संहार।
ब्रह्मा कामु ह्वत कोरि पत गव
कामु किन्य तस पतु रुसति बयव
कुकर्मी कोस तुय्य छु यार॥

स्वलावण्याशंसा धृतधनुषमह्नायतृणवत्
पुरः प्लुष्टं दृष्ट्वा पुरमथन पुष्पायुधमपि
यदि स्त्रैणं देवी यमनिरत देहार्धघटना
दवैति त्वामद्धा बत वरद मुग्धा युवतयः

=यपूर ज़ालबून्य दीवो ! कुरव चू मद्धान्नयोगस ति पर
उमा हूम्ज़ि सौन्दर्ये धनुषदार काम भाव करून्य सर
मत्न क्वार्यस मा [illegible]र छु यि उमा ज़ानान नू महिमा
छ्य मसनूच्य काथ वरदो ! स्वायि छ्य मासान मूड चेस्कर।

श्मशानेष्वाक्रीडा स्मरहर पिशाचाः सहचरा
चिताभस्मालेपः स्रगपि नृकरोटी परिकरः
अमंगल्यं शीलं तव भवतु नामैवमखिलं
तथापि स्मर्तॄणां वरद परमं मंगलमसि।

च़्य मदनान्तकू ! शुं शान गिन्दन जाय पशान छ़ियि ज़यार
च़्यता भस्मा मलिथूय हटि च़्य कलमाला छुयि शृन्गार
छ्य वरदो ! मय रूपस अपूर्व शोभिय कूच़ माहिमा
तिमय यिम ध्यान करून्य यि रूप तिमन्य कुय शुभ उदार।

کام آوٗ زٕطرنہٕ اوماےٗ   شوٗر گوس زوٗخ نہٕ گرجاے
تری کیا زانہٕ چھوٗن شوٗخمہ دلو یار
سیھ ہیت گنِدان شمشانٔی   بسا ملیت نال کلہ مال چھےٗ
یوٗ ہے رٗوپ چھوٗن بکتین سوٗکھ سار

۲۳. تزلو رزالونہ دلیو وا چھک تزہ اشانگہ یوگس تہ بر
اوما ہنزہ سونلرت دھنش دھارکام آو کرنہ سر
بسم کورتھس آشچر چھو یہ اوما زانان نہ مہما
چھیہ اسہ پچہ کتھ وردوا تزیہ چھیہ آسان ہوڑ بقر

۲۴ تزیہ مدھاتکہ! شمشان گندن جائی پشاچ چھیہ یار
چیتا بسما طبقئ ھیلہ تزیہ کلہ مالا چھیہ شر لگار
چھیہ وردوا انت رولیس اشوب آست کنیز رہا
تمئ یم دھیان کرہ ون یہ روپ تمنو آچھوی شوبہ اودھار

काम भाव द्कल् र्न्य उमाये
सूर गोस ज़ोनुख ना ग्यरिजाये
स्त्री क्या ज़ान्य च्योन सूक्ष्म् व्यवहार
सह्चर ह्यथ गिन्दान पुंशानय
भस्मा मलिथ नाल्य कल् मालय
युथ रूप च्यो भक्तयन सुखसार

मनः प्रत्यक्चित्ते सविधमवधायात्तमरुतः
प्रहृष्यद्रोमाणः प्रमदसलिलोत्सङ्गितदृशः
यदालोक्याह्लादं ह्रद इव निमज्ज्यामृतमये
दधत्यन्तस्तत्त्वं किमपि यमिनस्तत्किल भवान्॥

यिम रूटमुत पाह् हुय न्यत्र लोल हृत्य छिस मशि वरिय
तिथी योगीश्वर छी पतुन आत्मा युथ त्युथ सूरिथ
हृदय प्रह्लादस मन्ज़ यथ नू जोनी ज़ानि महिमा
अमृत सरू स्राना छो हुरव चू परि पूरन वरिथ॥

त्वमर्कस्त्वं सोमस्त्वमसि पवनस्त्वं हुतवह
स्त्वमापस्त्वं व्योम त्वमु धरणिरात्मा त्वमिति च
परिच्छिन्नामेवं त्वयि परिणता बिभ्रतु गिरं
न विद्मस्तत्तत्त्वं वयमिह तु यत्त्वं न भवसि॥

पृथ्वी हुरव आकाश हुरव जल अग्न वायो चन्द्र हुरव
सूर्य हुरव आत्मा हुरव अष्ट तोतू हुय येक सत हुरव
सु हुन व्यारव कान्ह युथ युथ यथ नू आमी योग्य
महिमा
थ्य रस्त छुन कान्ह जाये न हुरा यथ नू आसान
नू मंज़ हुरव

شاہ رست بجو تم چھی زانان آتمہ عشرہ آتم روپ پرزانان
امرت سرہ کوسی امرت سار
پرتھوی وایو اگن زل چھک آکاش سوریہ چندرمہ آتما چھک
بیان چھنہ تت کانہہ نری سار

۲۵ یمؤ روٹھت شاہ چھوی نیٚتر لولہِ بہت چھکھ اشہِ برت
نِتھی یوگیشور چھی پننو ن آتما یُھنۂ تیوٚتھۂ سورِت
ہردے اہلادس منز ہیت نہ وآلی زانہِ مہما
امرت سرہ سرانا ہیوٚ چھکھ ثہ پرۍ لوٚن تیوٚتہ برت

۲۶ پرتھوی چھکھ ہ کاش چھکھ جل اگن والو چندر چھکھ
سوٗریہ چھکھ آتما چھکھ اشہِ تونہ کوٗنی اکے ست چھکھ
ستو چھنہ بیاکھ کانہہ توت تھٔنز ہیت نہ آسی پان مہما
ثریہ روست چھینہ کانہہ جائے نہ توت زانان ہیت نہ تھٔنز چھکھ

शाह रूट यिमव तिम ही ज़ानान
शाबू मन्ज़ शब्बू रूप प्रज़नावान
अमर्त सरूप्तुय अमर्त सार
पृथ्वी वायो जल अग्न छुख
आकाश सूर्य चन्द्रमात्मा छुख
व्यारव छुनु तत्त्व कान्ह चुय
छुख सार

त्र्यीं तिस्रो वृत्ती स्त्रिभुवनमथो त्रीनपि सुरा-
नकाराद्यैर्वर्णैस्त्रिभिर भिदधत्ती र्णविकृति
तुरीयंते धाम ध्वनिभिरवरुन्धानमणुभिः
स्समस्तं व्यस्तं त्वां शरणद गृणात्योमितिपदम्॥

त्र्य वृत्त उदात्त अनुदात्त स्वरित त्र्यभुवन ब्रह्म विष्णु महेश।
त्र्य वर्ण अकार उकार त्र्यथि मकार सु स्वून्य यिम महेश।
छि रस् रस् च्यूर्योम धाम पानंद। बुज्ञान च्यान्य महिमा
इ होय ॐकार पद च्योन लबि तुता करूवन्य च्यथि
महेश।

भवः शर्वो रुद्रः पशुपतिरथोग्रः सहमहां-
स्तथाभीमे शानो विति यदभिधानाष्टकमिदम
अमुष्मिन प्रत्येकं प्रवि चरति देवः श्रुतिरपि
प्रिया यास्मै धाम्ने प्रणिहित नमस्यो ऽस्मि भवते॥

भवः भीमो रुद्रो उग्र शर्वो पशुपत् चू बोज़
महादीव ईशानो अष्ट नाव वीद् तेज़स स्वरूप
प्रसन्ना च्यान्ये किन्य श्रुत्य गयनान वीद च्यान्य महिमा
नमस्कार नामु रूपस पुष्पदन्त स्वरून ग्युव स्वरूप॥

ورز ترے نہ ترنوئے کارن پر اومکار سو رھون اوہ کرہ سمر
رسہ رسہ زور تُوم تھان کرہ پار
بھو بھیم رودرہ اوگر شروہ الیشان مہادیو پشوپتہ ویدک جان
پشوپت ونت چھو کران ترے نمسکار

٢٧. ترِیہ وِدٕ اودات انو دات سُوریت ترِبھون برٕہم وِشن مہیش
ترِیہ ورن اکار- اُوکار بییہِ مکار سوروپہٕ یم اُدیش
چھِ رسہ رسہ زوریُوم نغان شرندھا اُچھان چیآن مہما
بوسہٕ اُوکار یدچون لبِت توتا کرہ ونہ مہیش

٢٨. بھوو بھیمو رودرو اُگرہ شروو پشہ پتہ سروپ
مہادیو اشیانو اشنہ ناوٕ ویدہ تیبھس سروپ
پرستاچیا نٕکن گون گیوان وہپیان مہما
نمسکار ناھہ ترٕولبس لبھپ دنت سورہ وُن پتہ سروپ

वृत्र् च्ये तु च्यनुवय कारन पार्
उमकार सूरुवुन करिज़्द् सर्
रस् रस् चोर्यूं यानकर्य क्राव
भवः भीम् रुद्र प्रार्व पशुपत् मान
महादीव इशान वीदुक शान
पुष्प दन्त छु करानच़
नमस्कार

नमो नेदिष्ठाय प्रियदव दविष्ठाय च नमो
नमः क्षोदिष्ठाय स्मरहर महिष्ठाय च नमो
नमो वर्षिष्ठाय त्रिनयन यविष्ठाय च नमो
नमः सर्वस्मै ते तदिदमिति सर्वाय च नमः॥

नमस्कार। बोज़ म्योन प्रियदव! नीर दूर ति नय छुख
नमस्कार। बोज़ म्योन स्मरहर। सूक्ष्म स्थूल ति नय छुस
नमस्कार। बोज़ म्योन त्रिनयन। नैबुड छुख योक्के छुख
नमस्कार। बोज़ म्योन सर्व सर्व स्वरूपी न्यय तु मन्द छुख

बहलरजसे विश्वोत्पत्तौ भवाय नमो नमः
प्रबलतमसे तत्संहारे हराय नमो नमः
जनसुखकृते सत्त्वोद्रिक्तौ मृडाय नमो नमः
प्रमहसि पदे निस्त्रैगुण्ये शिवाय नमो नमः॥

श्यती कर्त्र रजोगुणाय भव रूप नमो नमः
संहार कर्त्त छुख तमोगुणाय हर रूप नमो नमः
सुख धाम रूप छुख सतोगुणाय मृड नाम नमो नमः
त्रयगुणा पर छुख त्र्यस्त्रयगुणाय शिवाय नमो नमः

نیبر نہ دوٗر نیوکھ نہ بوڈ زولپ چھے   لوٗکٹ نہ بوڈ رٗوپہ جیون آسنے
سرو رٗوپ ژٕی تھ چھک چھوی نمسکار
قیتی کرتہ رجوگون روٗپے   تموگون گالان ہرہ روٗپے
پالنا ستوگون چونوی کار

۲۹. ہمکارا بوز جیون پریہ دوہ انیر دوٗر تہٕ تٔژی چھک
ہمکارا بوز جیون سمرہ ہرہ اسوٗخمہ سنفول روٗپ ژٔیا چھک
ہمکارا بوز جیون ترنبیہ ! ژٔی بُڈہ چھک لیوک چھک
ہمکارا بوز جیون سروہ سروٗ پی ژٔی تہٕ اند چھک

۳۰. تَھنی کرنہ رجو گونا ئی بھوہ روٗپہ نمو نمہ
ہمہارہ کرت چھک نمو گونائی ہرہ روٗپہ نمو نمہ
سو کہ دصاحہ روٗپ چھک ستو گونائی مرڑہ ناحہ نمو نمہ
ترگو نہ پرٕ چھک نیسترے گونائی شو روٗپہ نمو نمہ

नीरतु दूर न्यिूकतु ब्वड रूपस जय
योवक तु वुड्ड शिवु म्योन मांस्यनय
सर्व रूप च्युय कुरव छुय नमस्कार
य्यती करूय रजोगुरण रूपय
तमोगुराु मालान हर रूपय
पालान सत्तोगुरण च्योनुय कार

कृपापरि णति चेतः क्लेशवश्यं क्व चेदं
क्व च तव गुण सीमोल्लङ्घिनी शश्वदृद्धिः
यति चकितममन्दीकृत्य मां भक्तिराधाद्
वरद चरणयोस्ते वाक्य पुष्पोपहारम्॥

मव्यध्या असमता रागद्वीश आभिन्वीश
यिमव वातनोवुय मनस कुत म्य कलीश
भक्ति भावु च्याने हज़र दर तोवुम
हर्षी गोम च्य लोगिम भक्ति पोष महीश॥

कुसुमदशन नामा सर्वगन्धर्वराजः
शिशुशशधरमौलेर्देवदेवस्य दासः
स खलु निजमहिम्नो भ्रष्ट एवास्य रोषात्
स्तवनमिदमकार्षीद् दिव्य दिव्यं महिम्नः॥

अर्धचन्द्र दारिथ शिवो भक्ति वत्सल
ज़रा क्रोध च्य ज़लिना बनोवुम म्य जलजल
पुष्पदन्त आज्ञया गन्धरवन हुन्दुय सर
महादीव दीवो वनान च्यान्य महिमा॥३२॥

ادیہ حیابہ کنِ وونم حیہ کلیش بھکتہ بھاوہ تروُدم ہزر مہیش
ہرشی کین لاگمئے پوش شوبدار
اردھ چندرہ دارِتھ بھکتہ وتسل ایشٹ دینتھ چھوونان کرودھم تراوِجل
مہادیوہ دیوو لولہ کین دار
رشہ منہ وثنہ راونم حیہ طاقس انوگرہ چیانہ لگہ کیا حیہ تخدنس
شوبی گوپیراون شیوہ دربار -
٣٦

اوید ھیا۔ اسمنا۔ راگدلِش۔ اٖبنولِش ۳۱.
تِموٚ وانٹنووِی عنس کوٗت ھیہ کلیش
بھکتِہ بھاوہٕ چیانے ہژر دوٗر ترووُم
ہرش گوم ژ یہِ لاگِم بھکت پوش پھیش

اردہ چندرہ دآرِت شِوو بھکت وتسل ۳۲.
ذرا کروٗد حم ژ یہ ژلِنا بنووُم ھیہ جل جل
لٖیژب ونت بھکتیا گندرون ہُندوی سر
مہادیوہ! دیوو ونان چیان مہما

अव्यदायि किन्य वोतुं म्य क्लीष
भक्ति भावू त्रोवुम हृदार महीष
हर्षू किन्य लांगमय पोष प्रूबिदार
अर्धचन्द्र दारिथ भक्तिवत्सल
शुषादन्त कु वनान कूद चाव जल
महादीव दीवो वनान च्यांच महिमा॥
रेषु मन दषुरावतम म्य "मदनास"
अनुग्रहु च्यान्य लग्य क्या म्य थदनास
तय वनान प्रावुन शिव दरबार

ॐ नमः शिवाय

शिवानन्दलहरी



श्री शङ्कराचार्य रचित

भाषा टीका गोस्वामीजी री

पं. गोपी नाथ मधकर प्रदत्त

वि: २०२३

८१

ماترکا رٗوپک آد اومکار
اکھیل جگتک اوم چھوی سار

جاگرت جگتس اوکوی سٗروپ بھو بھوہ ست لوک انگہ رٗوپ
ژور پاد جگتکہِ برہم آکار

پانٛژہ گیان پانٛژہ پران کرم ینٛدیٔ انتہ کرن ژور ہوکھ تس چھیٔ
وٗیشانر جگتک آکار

سٗوخمہ جگتس منز وایت تمسنز ست انگ کُنوُہ ہوکھ تمسند
تیزہ رٗوپ پرکاش تیزِ آکار

سٗوشپتہ منزٔیس یتھِ منو یش تت اوستایہ منز سُوی آسہ خوش
سُوی آنند رٗوپ گوٗ اومکار

الیشر سارنی سارٔی ایشن انتریامی پرآنیٔن نیش
اوٗ تیجی کارٔک تہ پرلیوک نار

نہ اندر نہ نیبر نہ دونوٚنِ منز بینہ نہ تھف یتھِ نہ لیُس فرہ وارہِ منز
چنتن نہ لبین نہ وتنس نہ وار

آتمہ دٖیوس ہیُو اکوٗی سار کلیان مئے اد وینہ اومکار
پرماتما پرم برہم اومکار

ژورہِ پادہ وول پرماتما چھوی ترے ماترایہ سان ہیرنوی سُوی
अ, उ, म ترے پاد اومکار

اکارہ وول وٗیشانرہ رٗوپ ترلمنہ لیُن بھوگہ کیت بھوگ انوٗپ
زاگرت ستھوٗل زنٛگنگ آدار

اکارہ آسِت دونوئے رٗوپ سٗوخمہ جگتس منز تیجس سٗروپ
نمانہ لیُس پرادہِ سُوی موٗخہ دوار

मात्रका रूपुक प्राद उमकार
प्रत्यक्ष जगतुक ॐ कुय सार
जाग्रत जगतस ओमू कुय सरूप
भूः भवः स्वः सत्त लोक प्रनू रूप
ओर पाद जगतुक ब्रह्म आकार
पान्च ग्यान पान्च प्रान कर्म एन्द्रय
अन्ताह्करण ओर मूख तस छीय
वैश्वानर जगतुक आकार
सूक्ष्म जगतस मन्ज़ व्यण्त आसि सून्ज़
सत अन्न कुन्वुह मूख तमिसन्द
तेज़ रूप प्रकाश तेज़ आकार
सूषुप्त मन्ज़ युस आस्य मनोब
तथ अवस्था यि मन्ज़ आसी खोष
सुय आनन्द रूप गव उमकार
ईश्वर सारिनुय सारिकुय ईश
अन्तर्यामी प्रानियन नीश
उत्पती कारक तु प्रलयुक नार
न अन्दर न न्यबर न दुनुवन्य मन्ज़
यथ न यथ यियि न युस फिरवारि मन्ज़
ध्यान्तन न लक्ष्यन न वननस नवार
आत्मू देवस छो आमिकुय सार
कल्याणमय अद्वयत उमकार
परमात्म परब्रह्म उमकार

مکار سو سقتہِ دہ تس چھوی
پرگنیا۔ یہِ ژورِ یوم دہ تس چھوی
زانوُن کاران جگت کرہ پار
پرنوئے ادویتی برم برہم چھوی
کلیان مئے پرماتما چھوی
پراتشپر پرم برہم اپوُرن آکار
ہلنس نئے ماترا دت طوئ
پرنوس بیتھ کرہ آنندہ کراوٗ
ویدہ روُپ ساخیات ویدہ اوکار

—— (۵) ——

(نوٹ) صفحہ نمبر ۵۷ میں یہ رہ گیا تھا۔ اس لئے
یہاں پر درج ہے: "توآی ترازِم یم یہ ساری
رٹے ادوہ شمبھو" کے بعد پڑھیے

نمبر سونکوی چھوی نزے ترِیہ حابنہ ستہن تا شمبھو
دِپی پیلہِ سون کانہہ نزے سُوکتاہ دِتا شمبھو
ترِلوکی بندسون سور صبر ج نہ نزلہ شمبھو
کویر چھوی دھنہ سوا کا دِیٗ گزجہ پیٹہ زیہ شمبھو
حیج چھینہ کینہ زیہ کمی کلپ ور کم چھوزیہ شمبھو
کابدین جینتامن رتن ڈھیر ڈلہ شمبھو
سدحاکر چندر مہ چوُن نتوڈیکہ شرہان شمبھو
بوانہ گیا دھہ کیا ترسے میاخ سن نوبان شمبھو
سُور نیتی گز ستہ پرمن بنیہِ میون بلہ شمبھو

ॐ
भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवांसस्तनूभिर्व्यशेम देवहितं यदायुः
ॐ शान्तिः शान्ति शान्ति!

 मफ

५२

ज़ोर पाद वोल परमात्मा सूय
च्य मात्राथि स्थान प्रनवुक छुय
अ-उ-म. च्य पाद उमकार

अकारु वोल वैश्वानर रूप
ज़ानि युस भुग्य भुग कुय अनूप
जाग्रत स्थूल जगतुक आधार

उकार आसिथ वुनूवय रूप
सुक्ष्म जगतस मन्ज़ तैजस स्वरूप
ज़ानि युस सुय प्रावि सूक्ष्मदरबार

मकार आसिथ सुषुप्त दिह तस
प्रगन्या थि च्यमुम पाद छुय तस
ज़ानुवुन कार्णु जगत करितार

प्रणवुय अवुयती परं ब्रह्म छुय
कल्याणमय परमात्मा सुय
परात्पर परं ब्रह्म ब्रह्माकार

"अवनाश" च्य मात्रा वथ हाव
प्रणवस युथ करि आनन्द क्राव
वीदु रूप साक्ष्यात वीद उमकार॥

—॥ ० ॥—

१. गलन्ती शम्भो! त्वच्चरित सरितः किल्विषरजो
दलन्ती धीकुल्यासरणिषु पतन्ती विजयताम्
दिशन्ती संसारभ्रमण परितापोपशमनं
वसन्ती मच्चेतो हृदभुवि शिवानन्दलहरी॥

२. प्रभुस्त्वं दीनानां खलु परमबन्धुः पशुपते!
प्रमुख्योऽहं तेषामपि किमुत बन्धुत्वमनयोः
त्वयैव क्षन्तव्याः शिव! मदपराधाश्च सकलाः
प्रयत्नात् कर्तव्यं मदवनमियं बन्धुसरणिः॥

३. उपेक्षा नो चेत किं न हरसि भवद्ध्यानविमुखां
दुराशाभूयिष्ठां विधिलिपिमशक्तो यदि भवान्
शिरस्त द्वैधात्रं ननु खलु सुवृत्तं पशुपते!
कथं वा निर्यत्नं करनखमुखेनैव लुलितम्॥

४. करोमि त्वत्पूजां सपदि सुखदो मे भव विभो!
विधित्वं विष्णुत्वं दिशसि खलु तस्याः फलमि
पुनश्च त्वां द्रष्टु दिवि भुवि वहन् पक्षिमृगता-
मदृष्ट्वा तत्खेदं कथमिह सहे शङ्कर विभो॥

५. करस्थे हेमाद्रौ गिरिश! निकटस्थे धनपतौ
गृहस्थे स्वर्भूजामरसुरभिचिन्तामणिगणे।
शिरःस्थे शीतांशौ चरणयुगलस्थेऽखिलशुभे
कमर्थं दास्येऽहं भवतु भवदर्थं मम मनः॥

६. सारूप्यं तव पूजने शिव महादेवेति सङ्कीर्तने
सामीप्यं शिवभक्तिधुर्जनतासाङ्गत्यसम्भाषणे
सालोक्यञ्च चराचरात्मकतनुध्याने भवानीपते!
सायुज्यं मम सिद्धमत्र भवति स्वामिन्! कृतार्थोऽ-
स्म्यहम्॥

७. नालं वा परमोपकारकमिदं त्वेकं पशूनां पते!
पश्यन् कुक्षिगतांश्चराचरगणान् बाह्यस्थितान् रक्षितुम्
सर्वामर्त्यपलायनौषधमति ज्वालाकरं भीकरं
निक्षिप्तं गरलं गले न गिलितं नोद्गीर्णमेव त्वया॥

८. जडता पशुता कलङ्किता कुटिलचरत्वं च नास्ति मयि देव
अस्ति यदि राजमौले, भवदाभरणस्य नास्मि किं पात्रम्

९. अरहसि रहसि स्वतन्त्रबुद्ध्या वरिवसितुं सुलभः प्रसन्नमूर्तिः
अगणितफलदायकः प्रभुर्मे जगदधिको हृदि राजशेख-
रोऽस्ति॥

२०. नित्यं योगिमनः सरोज दलस>चारक्षमस्त्व त्वत्क्रमः
शम्भो तनेकथं कठोरयमराडवक्षः कवाटक्षतिः।
मत्यन्तं मृदुलं त्वदङ्घ्रियुगलं हा। मे मनश्चिन्तय-
त्यतल्लोचनगोचरं कुरुविभो! हस्तेन संवाहये॥

२२. ऐष्यत्येष जनिं मनोऽस्य कठिनं तस्मिन्नटानीति मद्-
रक्षायै गिरिसीम्नि कोमल पदन्यासः पुराऽभ्यासितः
नो चेद्दिव्यगृहान्तरेषु सुमनस्तल्पेषु वेद्यादिषु
प्रायः सत्सु शिलातलेषु नटनं शम्भो! किमर्थं तव॥

२३. अशनं फणी कलापो वसनं चर्म च वाहनं महोक्षः
ममदास्यसि।किं किमस्ति शम्भोः
तव पादाम्बुजभक्तिमेव देहि॥

۵۴۶

شوہ چھک کلیان گوڈنی یوگہ نرتہ شمبو
انوگر کرِتھ سے یار پادکملہ شمبو

۱. شِوانند لہراخ وزمہ جز زرہ سرہ چانہِ شمبو بابن چیلان ناوان نِنکے پانہ شمبو
ہر دلیس سمن میا لس بودھی کولہ کولہِ شمبو

۲. پشوپتہ دینا ناخہ زرہ پورن پور شمبو یودِین ہند سردار سمیا بہ سانِ جوسہ شمبو
ہندھو گوسوی رچھ پیش دِین ناشہ نلہ شمبو

کیا خیما کرِخنا ژی اپرادن میہ شمبو بھوہ سرہ نارخنا؟ اوش تارخ میہ شمبو
نتہ چیوت ہنہِ چھوی وٹہ ژیہ یامن نلہ شمبو

۳. کران چھکنہ میون اودھار ینیو چھکنہ میون مشبع میہ یوزان چھکنہ آگو نہ کن چھوی چیون شمبو
نتہ کوہ آسیم یہ حال وچھِت موژلہ شمبو

ونخ بڈ بھایہ لیوخنی ویدانن یہ ژے شمبو تو آئی کنِ دھیان کرنی ہیکیے نو جون شمبو
ہیژ ژھسامرتہ چھینایہ ناہون نلہ شمبو

ژیہ چھینا یوت سامرتھ تلم فرنگ منہ شمبو برہما ولش بیلہ چھی گنزن سا مگری ژیہ ننہ شمبو
وئو کینہ برہماہس لش ژیہ نو ییش چلہِ شمبو

ژلونہ لس باغنزمِ موخ کرِتھ کوپ کینہ شبٔ تو آی رود برہماجی ژنور موخ ننہ شمبو
اوے کن نومانیے نہ راہ وون ڈلہ شمبو

ژہ تراو کنہ یمہ ونے بوبورے نہ کنہہ شمبو ییے نو فرس منز ژہ اودھار کر میہ شمبو
نہ یمہ دھوکھس نہ تراوت لیوزیتِ ڈلہ شمبو

۴. بر بھو چھس یوزا بھل منگان ژے یی شمبو جرن کل جو خھو دیہ نش ہیون ہی شمبو
برہما ولشی یو تراوخ ژیہ یادن نا ڈلہ شمبو

برہما دیتھ نہ ژھاران چرن چیان ہی شمبو
یمؤ نو پادیان لب لگن کت میہ ہی شمبو
تو آی نزاوِم میہ ساری رٹے پاد وولہ شمبو

۴ سا روپ سایہ سالوک سامیپ چھوکھ شمبو
ژو نوے چھسنہ یژھان کرپا چھیم موکھ شمبو
سالوک آنند دھام بوشوہ منگلہ شمبو

ناو چون سمرتھ پرو سامیپ موکھ میہ شمبو
شوہ بھکتین منز مے سوکھ کیرتن امیہ شمبو
سا روپ سوکھ میہ مے چھیے پوزا وولہ شمبو

ویراٹ روپ ڈیشت چون بو چھسنہ بیتون پانہ شمبو
و چھم پانن ژے منز مے تہ سایہ ترانہ شمبو
پہ پانن سوکھ لبان سو موکھ سکلہ شمبو

رٹتھ اکھ موکھ ژوان منز سو موکھ چھبہ سوکھ منز شمبو
موکھ لبتھ نفس چھیہ پوزا دیان جون زیب میہ شمبو
تو آسی مے تہ چھی پد چھوی بھکتی تلہ شمبو

۵ لبتھو بند مالہ کوٹھی وتھ سنزہ دراو تار شمبو
زالنہ لوگ چرا چر و وتہ تالہ کار شمبو
دیا ما کرہ آ چھنہ اکی گو آ تار شمبو

مکھس منز سیتہ ادی کیاہ برہما پادتہ شمبو
وودری منز گنڈتھ لیس چھو ژیہ اکہ نزرہ شمبو
بس ہتس منز گورتہ بڑ گوی نیلہ گلہ شمبو

جے جے کار چھوی ژے بوتہ یادن شمبو
ژھیتے ر چھیون ہردے مے تہ یادن شمبو
رمی سیت بنہ شانتی ہے لشکلہ شمبو

۶ چھسنہ بتھ نہ کلنکی موکھ نہ جرتہ شمبو
چندرہ شیکرہ ہیرہ وکیرہ گت چھسنہ شمبو
ارہ کوہ نہ کرپا ڈھک کران اٹلہ شمبو

یمو وخ دُر گن ژھیس بو ہن ہن شمبو
جٹہ روپ گنگا چھیے پانس جٹن شمبو
پانہ ژھک رٹتھ مرگ ژری سو چھوی چنچلہ شمبو

ڈیکہ چھوی چندر میر زلان کلنکی سو چھو شمبو
واسک ژیہ ہیٹے ہارو کیرہ گت مو چھو شمبو
میہ دو لونہ منزاد لگار خوتم کیا ہو شمبو

دو نوے ونہ تھو ہتی سیرو شیہ کو ہیرہ شمبو
لو خنہ انگن سیت نہ یادن ورہ شمبو
نی مرتتہ گی چھم جان کرپا نشکلہ شمبو

۷ ۔ سماماتہ راجن ہیو رابہ چھنہ موان شمبو — ہنتہ ہیتہ ہرنتہ گنہ جایہ پوزت ہیکون شمبو

وفنچہ نہ کمانہہ گنڈتی نہ کانہہ کمانگلہ شمبو

راجن میہ سپزرن چھم زیہ نو پزرن شمبو — راجن میہ خوژرن چھم زینا خوژرن میہ شمبو

راجن میہ ہیوان اوسر زیہ نش نہ کانہہ ولہ شمبو

۸ ہم یادِ کمی چان توگین منس شمبو — تموسیت لت لایت زیہ ہمیراجس شمبو

کھٹورکوت وچھہ چھوی تس زیہ یاد کولہ شمبو

نو گنج ماسنیو خما کنہہ زرخ منز للہ شمبو — تمے یاد واسس میہ زہ دنہ ادہ قولہ شمبو

دِمنخ فنش للہ ناو ختہ دبوز جل وولہ شمبو

۹ میہ لوزینہ وورعادت کو ریتہ یائے زیہ شمبو — زیہ ہمیراجنہ یادن توگوی زولنہ زیہ شمبو

نہ ژولیت ہیبہ آخ واس جہنم رٹہ یاد للہ شمبو

تمس ماکھٹور آسہ من زیہ یادن مالگہ شمبو — توآ نی درہ راوت یاد میہ مایتہ لگہ شمبو

دیا شیل ساگر چھک زہ نز آوت نہ زلہ شمبو

۱۰ منگئے کیا زہ دِرخ کیا مے زیہ چھوی کیا ہرہ شمبو — دھتورثا ایان چھک ترکی خیوان زیرہ شمبو

منش خبیہ مرہ ۔ بڈ بچہ موگترحہ یاگلہ شمبو

خینس کیوت منگِہ کس کیا زہ دِرخ کیا ہرہ شمبو — زیہ وستمر چھوی نہ کانہہ نال زہ دیگمبرہ شمبو

وتون کنہہ لوزن نہ کنہہ نہ کانہہ گا گولہ شمبو

آران ہیہ کانہہ ژری لش وچھی ننگہ مت شمبو — مرگ ژم تچوخ لنگوٹ زہ ہیلہ شرم ہوت شمبو

یارو زرخ ننگہ لنگ پکان جنگلہ شمبو

نال سرپ مالہ چھئے ورنجب واہن شمبو — منگلیت دِرخ کیا چھوی نے بو یادگاران شمبو

تمے یاد ہر دلس بو رٹے منزلہ شمبو

پراران پراران بو تھکس ژھاران شمبو — نماران بو چھس پژران دھیان دھاران

مدنو مولش زٹ مدھن لہ نکلہ شمبو

۱(۵)۱

शिव हुका यू कल्याण क्रूप यौगु निर्मल शम्भो
अनुग्रह कारिअ म्य याद पाद कमल शम्भो

१. शिवानन्द लहर मारव वक्क चर्न सरू थान्य शम्भो
पापन ह्यलान नावान तमिकें पानि शम्भो
हृदयस सयिन म्यांनिसबुद्धी कुलि कुल शम्भो

२. पशुपत् दीना नाथ जू पूर्ण पुर शम्भो
बु दीनन हुन्द सरदार स्याथि सोंस ज्यूर शम्भो
नन्दो गव सुय रछि शुस दीन नाथ तल शम्भो
क्या क्ष्यमा कारखना चूय अपरादन म्य शम्भो
मव् सरू तारखना ? अवश तारखव म्य शम्भो
नत् च्यूत बनिथ लगी वटू च्य पामन तल् शम्भो

३ करान कुकना म्योन उदार नन्यव कुकना म्योन शम्भो
म्य बोलान कुकना मालव न योर कन च्योन शम्भो
नतोय कवु मास्यम थि हाल बुछिथ मो तल शम्भो
वनख युठ बायि ल्बू खनय दि आतन थि च्य शम्भो
तवाय किन्य ध्यान कारिथ ह्यकखनो च्योन शम्भो
प्रकृम सामर्थ कुयना ति नाइबुन तल शम्भो
म्य कुयना यूत सामर्थ कलम पिरनुक च्य शम्भो
ब्रह्मा व्यास यलि हौ गिन्दन सामर्थी च्य शम्भो
वनव कयथू ब्रह्मा हर निपा च्य नो पेश चलव शम्भो
अटुष तस पान्नुम मुख करिथ कुप कारू शम्भो
तवाय रूद ब्रह्मा जी अगर मुख तरू शम्भो
अवाय किन्य नो बु मालय न बुच्य गाहडर शम्भो

नाव यिम् कथ् वनन्ये लु नो बोजय च्य शाम्भो
यिमय नो फेरस मन्ज़ ज़ु उदार कर मय शाम्भो
न तावय दोरवन यिम् बु दीनिय हल् शाम्भो

४ प्रभ् कुस पूजा फल मन्मान यी छो शाम्भो
चरन् कमल् मो छव म्य निश ध्यान ही शाम्भो
ब्रह्मा व्यष्णु तावरव च्य पादन ना ज़ल् शाम्भो
ब्रह्मा व्यष्णु ति रुद्रारान चरण ध्यान ही शाम्भो
यिमव नो पाद ध्यान लगि लगनकथ म्य ही शाम्भो
तनायत्रोविम म्य सोरी रटय पाद वुल् शाम्भो

५ सयीर सुबकुस कुय छो च्य हाजत बुवना शाम्भो
दियो युद सुन कान्ह मु कोला दिना शाम्भो
त्रलोकी हुन्द सुन सोर समीर्च्य मा तुल् शाम्भो
कबीर कुय दनू सामी दियी गछ्हि यि च्य शाम्भो
दनू च्य छ्यनु कयन्ह च्य कामी रूप वृक्ष कुय शाम्भो
कामदीव-चिन्तामन- रतन् डेर ज़ल् शाम्भो

६ सायुज, सारूप, सालोक, सामीप मूक्ष शाम्भो
ब्रुनवय कुमना यच्छान छ्यम कृपा मूक्ष शाम्भो
सारूप मूक्ष वुछमय पुछाथि वुलु शाम्भो
नाव ध्योन कुमरिथ प्राव सामीप सुख म्य शाम्भो
शिव् भक्तियन मन्ज़ म्ये सुख कीर्तन शाम्भो
सालोक आनन्द धाम बु शिवू मङ्गल शाम्भो
व्यराट रूप डीषिथ म्ये बु कुमना पानू ब्यून शाम्भो
पान म्ये कुम त्रे मन्ज़ ति सायुज मूक्ष शाम्भो
यि पान कुन सुख लबान ती सकल मूक्ष शाम्भो
रटिथ सख मूरव कुन मन्ज़ सु मूरव छ्यम सुख म्य शाम्भो

मूढयनिश यन छ पूज़ा ध्यान चोन ज़प म्य शम्भो
तवाय मूक्षीपद कुय भक्ती ततू शम्भो

८ पशुपति कालकूट विष मूदरू द्राव नार शम्भो
ज़ालन्य लगजगतस द्रुय हा हाकार शम्भो
दयासागरू आज़मन्य अकी भव सहार शम्भो
मुखस मन्ज़ प्यथ अोय ग्यान ब्रह्मान्ड मा दज़ि शम्भो
उदरस मन्ज़ गन्डिथ ग्रस कु च्य अकि रज़ि शम्भो
वस हटिस मन्ज़ कुडु थ बन्द तवाय नीलगल शम्भो
जय जयकार कुय च्ये भूतु भावनू शम्भो
तिथय रत्न योन हृदय थाविथ पादन शम्भो
तमी सूत्य बनि शान्ती हे न्य रूकलू शम्भो

९ कुसना पूष ना क्रान्की मूर्ख ना ज़ड ना शम्भो
चन्द्रशेखरू हे हरू! व्यक्रगत कुसना शम्भो
अदू कोनू कृपा कुरव करान अटलू शम्भो
युदवय वनख्ल दुरग्रस कुस ब्रु हन हव शम्भो
ज़डू रूप गंगा कुय पानस ज्यटन शम्भो
पानू कुरव रटिथ सृग कुय सुय चन्चल शम्भो
अयकि कुय चन्द्र शूबान क्रान्की सु कु शम्भो
वासुक च्य हटे हार व्यक्रगव सु कु शम्भो
म्य दूनवुन्य मन्ज़ अधिकार सुतुम क्या म्यू शम्भो
दूनवय बत्र् थाविमय अोन्ह कन्य हर शम्भो
मिवरव ना मन्गान मन्ज़ नू पादन बरू शम्भो
ती गुत ती कुम जान कृपा न्यफ्कादू शम्भो

९ सामान्य राजन ह्यु कुनु कानु मीन शम्भो
हुति यति तु प्रथ कुन जायि बुलिथ ह्यकोन शम्भो
वकतुच न कान्ह गछिजी न कान्ह मकुलु शम्भो
राजन म्य प्रारुन कुस च्य न प्रारुन म्य शम्भो
राजन म्य रवोतुन कुस च्य न रवोतन म्य शम्भो
राजव म्य ह्युयुन मनतव च्य निव न कान्ह वनु शम्भो
१० यिम पाद कमल ध्यान युगियन मनस शम्भो
तिमव सूत्य लय लोयिथ च्य यमराजस च्य शम्भो
कठोर कुत वद कुय तस च्य पाद कोमल शम्भो
लुगुख मा सन्योरखमा कयन्ह रटरव मन्ज़ लूलि शम्भो
तिमय पाद दासस म्ये ज़ू दिलु सदू फुलु शम्भो
दिमरव फष ललुना वरव चू बोज़ जेल वूलु शम्भो
११ म्य बूज़ुन नूवोर मादत कुरुय पानय च्य शम्भो
च्य यमराजुन्य पादन लुगुय ज़ोलुय च्य शम्भो
ति ज़ोलुय ह्यथि असव दास ज़न्म रटि पाद वूलि
तमिस मा कठोर मासि मन च्य पादन मा लगि शम्भो
तवोय दवू दोविथ पाद म्य मा पतु लगि शम्भो
दया शील सागर कुरव चू नोविथ ना ज़ल शम्भो
मन्गय क्या दिरव क्या म्ये च्य कुय क्या हनु शम्भो
दतुर ज़ापान कुस सूय वव्यवान ज़हनु शम्भो
मनुष ख्यथि मारि यूर वचि मु गछि पागलु शम्भो
रव्यनस कियुत मन्यि कुस क्या चू दिरव क्या हनु शम्भो
च्य वस्तूर कुय ना कान्ह नोल्य चू देगंबर शम्भो
वनुन कयन्ह वोरुन म कयन्ह न कान्ह गांगल शम्भो
अज्ञान यियि कान्ह च्य लिश बुद्धी नन्या मुत सन्यास
मृगु ज़म छवरव लन्गोट चू पामी हुन्दि पास शम्भो
या रोज़रव मनना पकान जनासु शम्भो
नाल्य सर्पु माला कय वृषभ वाहनु शम्भो
मन्गिथ दिरव क्या कुय च्ये वु पाद गारनु शम्भो

पा

तिमव पाद हृदयस व्यु रदय मन्दस्य पाम्मो ॥
शरान मारान व्यु ब्युकुस ...रान पाम्मो
थारान व्यु कुस मारान ध्यान दारान पाम्मो
मदनो "मदनस" छठ मदन्य हाकन्द शाम्मो

رخیما پوش

جے سدا شیوہ ونشے بیٹھ کیا ژیہ روش چھا روا
جے اگوری نیلہ کنٹھے کر خیامہ کر خیا

زان آسنہ روشنو چھک ژہ زگنتھ زان کار ژتھ ہیو پہم اگیانکوی تم ہیہ تن تریم نودار
بھوتہ بھنجن سے ترنجن گیانہ بیک کر خیا

حوان ناری مرج سوینہ دت چھم چھوی اپز جنھ نونوی تو دار پروم اپزہ کوی چھم گھرہ نہ بار
بھکتہ نفخجن پرمیہ رنجن شانت روپئے کر خیا

بھای نہ بہانڈو تاکہ ہیا آنی زن نہ رانی وقفتے کار مانی حشیرت ژونکڈ چھم اتھ وان موہ سمسار
دین چھس رچھنے میہ خیادینہ وتل کر خیا

دھرم ادھرک چیو نگمت بود تی حنزہ بوٹھ بنیار کرحہ کیو کرمو بوٹس کر کر بیٹھ تو بود انبار
چھٹہ بدکریا ژکی اکریا پرمیہ وتا کر خیا

پیوھ پوزن پرمہ پدچھک پرمہ آشرو تیتو دار پرمہ دھام پرماتما چھک پرمہ گت چھک پرمہ یار
پرمہ شیو شیوہ ناد چوتوی پرمہ سندر کر خیا

شولدھر چھکھہ بوشبہ واہن ناد ڈابرد آیودن سورہ تنہ کیا نور چھوی ژے پوز رلہ سرگیس گرہون
چندرہ شیکھر نال واشک داسے بیٹھ کر خیا

پوش لاگیو بم زیبنی سے دھوپ زالیہ پان پیتون پانتروے ہم بران بینی ہخیتی ہیمہ آلوون
بھل نہ پھول میون آتما چھوی وزی کر پاکزری خیا

زمنہ نیے زمم دارِتھ زنگوی میہ چھینہ ونون ژمنیٔ منز بادلمن ہندگز ہیم دلیون دصبان پنیون
جے سدا شیوہ جے پرمہ شیوہ جے اوا شیوہ کر خیا

مدن کاشمیری

क्ष्यमा पोष

जय सदाशिव दास्सुय प्यट क्याच्य रोशुन छा ख्वा
हे भग्योरय नीलकण्ठय कर क्ष्यमा म्य कर क्ष्यमा

नान आसिय ज़ोनमरवनो छुरव त्रु ज़गतुक ज़ानकार
वुथि म्य प्योन अग्यानकुय वर तमि म्य त्रुपदीम नवदर
भूत भन्जन हे निरञ्जन ग्यानु दीपका कर क्ष्यमा ॥
मो... तोय मान सुपनु वछ। छिम छुय अपुज़ यति व्यवहार
... त्रुवुय नवदार प्रोनुम अपुज़िकुय यति संसार
दीन छुस रछने म्य थिरवना दीनुवत्सल कर क्ष्यमा
धर्म अधर्मुक छु छुगमुत योद तमी मन्ज़ु बुठ व्यवहार
कर्मक्यव कर्मव त्रुटुस कर्य कर्य सद्याव सुय वुज़ अम्बार
छुरव छा कर्ता त्रुय अकर्ता प्रयमवर्ता कर क्ष्यमा
परम पूज़न परम पद छुख परम ईश्वर व्यवहार
परम धाम परमात्मा छुख परम गत छुख परम पार
परम शिव प्युद नाव च्योनुय परम सुन्द्र कर क्ष्यमा
शूलूदर छुरव वष्यु वाहन नाद डाबुर वाय वोन
सूर लनि वथ्य नूर छुय च्ये पूरु त्राहि सूर्यसि ग्रहोन
चन्द्रशीखर नाल्य वासुक दास च्य प्यठ कार क्ष्यमा
पोष लागय यि च्य चन्द्रय धूप ज़ाल्य पान पनोन
पान्चुवनय यिम प्रान पलमी मालख्यतुय लगमु मालवोन
फल तु फुल म्योन आत्मा छुय त्रुस कृपा कर त्रुय क्ष्यमा
ज़न्मु ज़न्मोय ज़न्मकुय कामन्ह छुनु वनोन
ज़न्मनुय मन्ज़ पादु कमलन छुन्द गछ्‌यम वियुन ध्यान दर्शन
जय सदाशिव जय परम शिव हे उमा शिव कर क्ष्यमा ॥

॥ ८० ॥

ॐ नमः शिवाय

सेवका
सप्रू

गणपतिस्तुति

अष्ट स्यदियन हुन्दि गणपत ईश्वो
मतु दूरावतम छाति कीशो
व्यघ्नहर्ता कुस दुःख वीदमोमकार ज़पु यज्ञ हुम च्योन गुड़ साहकार
मदू कामना बनि छानि कीशो
गणनायक् मन्नायकू सुन्दरो अलुबायि सूत्य कुस प्यह किन्दरो
रक्त वर्ण धूम्र वर्ण बालचन्द्र ईश्वो
एकदन्तु ताजस छुया बालचन्द्रो गन्दरो नाल्य नागुक हून्ज़रो
माथि हाथ वरअभय मस पद्म ईश्वो
नाल्य मालू जामू सुर्गुच्य छौ गण्डिथ्य वीदू वत वीद तत्त्व कुस पण्डिथ्य
ब्यन्दू क्रुय कन्द कुस कुस प्रन्म ईश्वो
अलुबाथि मायि सूत्य बयी लोलू खांसी मूषकु वाहनू तस छू मनू वांसी
कास्तं व्यघ्न युथना रोज़्यं कयन्द लीथो
व्यघ्न हर्ता च्य व्यघ्नुक क्षौय कुस पैय कुस योगियन योगू जय कुस
आदि दीव स्यदिदाता गणीशो
उमायि हुन्द कुस यच्छायि सन्तान मूलाधार् यूवनस डीडवान
पूज़ान तति छी दीव दीव ईश्वो
प्रथम मनू लोल् लासू हावय धूपदीप हावान च्यय कुस शिव शक्ति रूप
सायुज्य पद दितू शिव सुन्द ईश्वो
शिवजी सुन्दि टहि व्यघ्ननिवारो यमि भवू सरू मन्ज़ू दितू तारो
"मदनाम" करदया दयामदीश्वो॥

मिलने का पता:— पं० गोपी नाथ सप्रू भानु महल्ला श्रीनगर